स्थापना : 2010
4 राज्य । 2 भाषा
इंदौर (मध्यप्रदेश)
www.lokpatirika.com
हमें फॉलो करें :

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

लोक पत्रिका

Hindi Daily

LOK PATRIKA

RNI NO. GUJGUJ/2022/83673

सत्यमेव जयते

संपादक : आवेश मालवीय । वर्ष 1 । अंक : 05 । पेज : 08 । मूल्य : 5 रु.

29 मई 2025 । गुरुवार

खबरों एवं विज्ञापन के लिए संपर्क करें : 9825252125

इंदौर । भोपाल । ग्वालियर । रतलाम । उज्जैन । जबलपुर । शिवपुरी । गुना । धार । मंडला । शाजापुर । अशोकनगर । सीहोर । झाबुआ

कृषि, जल भंडारण और बिजली उत्पादन के लिए अच्छी खबर...भारतीय मौसम विज्ञान विभाग ने मानसून पूर्वानुमान में किया सुधार

इस बार जून से ही होगी भारी बरिश सितंबर तक बरकरार रहेगा सिलसिला

नई दिल्ली। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने जून से सितंबर तक के लिए अपने दीर्घकालिक मानसून पूर्वानुमान में संशोधन किया है। अब अनुमान लगाया गया है कि इस अवधि के दौरान देश में औसत से 106 प्रतिशत बारिश हो सकती है, जिसमें प्लस-माइनस 4 प्रतिशत का उतार-चढ़ाव संभव है। यह पूर्वानुमान पहले के 105 प्रतिशत के अनुमान से एक प्रतिशत अधिक है। आईएमडी के इस संशोधित अनुमान के अनुसार, इस वर्ष मानसून 'सामान्य से अधिक' की श्रेणी में रहेगा। यह श्रेणी तब लागू होती है जब बारिश दीर्घकालिक औसत से 104 प्रतिशत से अधिक होती है। सीधे शब्दों में कहें तो इस बार मानसून के दौरान पहले के पूर्वानुमान से ज्यादा बारिश होने की संभावना है। मौसम विभाग के अनुसार, जून माह की शुरुआत एक मजबूत मानसून सर्ज के साथ होने जा रही है। इस दौरान देश में औसत से 108 प्रतिशत से अधिक बारिश होने की संभावना जताई गई है। यह प्रारंभिक वर्षा कृषि कार्यों के लिए शुभ संकेत मानी जा रही है। मौसम विभाग ने बताया कि जून के महीने में देश के ज्यादातर हिस्सों में जोरदार बारिश का अनुमान है। मानसून की इस शुरुआती बढ़त के साथ देश के अधिकांश हिस्सों में सामान्य से कम तापमान दर्ज किए जाने की संभावना है। हालांकि, उत्तर पश्चिम भारत और उत्तर पूर्व भारत में अधिकतम तापमान सामान्य से ऊपर रहने का अनुमान है। मौसम विभाग के अधिकारियों का कहना है कि समुद्री परिस्थितियां और अलनीनो की कमजोर होती स्थिति मॉनसून के लिए अनुकूल माहौल बना रही हैं। इस वर्ष की बारिश कृषि, जल भंडारण और बिजली उत्पादन के लिए फायदेमंद साबित हो सकती है।

समुद्री परिस्थितियां और अलनीनो की कमजोर होती स्थिति बना रही अनुकूल माहौल



मप्र में दक्षिणी हिस्से से होगी मानसून की एंट्री

मौसम विभाग के मुताबिक, प्रदेश के दक्षिणी हिस्से यानी मंडला, सिवनी, डिंडौरी, बालाघाट, अनूपपुर, बुरहानपुर, पांढुर्णा, बैतूल, बड़वानी के रास्ते से मानसून दस्तक देगा। ग्वालियर-चंबल में सबसे लेट 25 जून तक पहुंचेगा। भोपाल, इंदौर में यह 20 से 22 जून के बीच आ सकता है। दक्षिण-पश्चिम मानसून ने पांढुर्णा, सिवनी, बालाघाट, मंडला, डिंडौरी और अनूपपुर जिले में प्रवेश किया था। इस बार भी इन्हीं जिलों से मानसून के आने की संभावना है। मौसम वैज्ञानिक अरुण शर्मा के मुताबिक इस बार मानसून ने 8 दिन पहले ही देश में दस्तक दी है। इससे पहले 2009 को भी मानसून 23 मई को पहुंच गया था। फिलहाल मानसून के आगे बढ़ने की स्थिति ठीक है। मध्यप्रदेश में इस बार भी समय से पहले दस्तक देने की स्थिति बन रही है।

उत्तर-पश्चिम भारत में सामान्य बारिश का अनुमान

राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली सहित उत्तर-पश्चिम भारत में मानसून के दौरान वर्षा 92 से 100 प्रतिशत के दायरे में रहने का अनुमान है, जो सामान्य की श्रेणी में आता है। देश के अन्य सभी क्षेत्र या तो सामान्य या सामान्य से अधिक वर्षा का अनुभव कर सकते हैं। यह संशोधित पूर्वानुमान ऐसे समय पर आया है जब मुंबई में हाल ही में तेज बारिश ने भारी तबाही मचाई। शहर में सड़कों पर जलभराव हो गया, यहां तक कि भूमिगत मेट्रो स्टेशनों में भी पानी भर गया। मुंबई ने 107 सालों में मई महीने में सबसे अधिक बारिश दर्ज की है। इसके साथ ही, 25 साल में पहली बार मानसून ने इतनी जल्दी मुंबई में दस्तक दी है।

मध्यप्रदेश में इस बार 106% बारिश की उम्मीद

मध्यप्रदेश में मई में ही लगातार बारिश हो रही है। मंगलवार को मौसम विभाग नई दिल्ली ने पूर्वानुमान जारी किया है। इसके अनुसार मध्यप्रदेश में इस बार औसत 106% यानी, 39 से 40 इंच तक बारिश हो सकती है। मध्यभारत और दक्षिणी हिस्से में 106 प्रतिशत बारिश होने का अनुमान है। मौसम विभाग से मिली जानकारी के अनुसार मध्यप्रदेश में मानसून की दस्तक 8 से 10 दिन पहले हो सकती है। सोमवार-मंगलवार को मानसून महाराष्ट्र के मुंबई, पुणे समेत कई शहरों में 15 दिन पहले ही पहुंच गया। यहां मानसून के आने की सामान्य तारीख 10 जून तक है। मानसून की रफ्तार अभी ठीक है। यही रफ्तार रहती है तो मध्यप्रदेश में मानसून 4 से 7 जून तक आ सकता है। इससे पहले अप्रैल में मानसूनी सीजन में 38 से 39 इंच बारिश होने की उम्मीद जताई गई थी।

संभावित जोखिमों ने निपटने की सलाह

मौसम विभाग ने वर्षा के साथ आने वाले संभावित जोखिमों जैसे बाढ़, भूस्खलन यातायात बाधाओं से निपटने के लिए सावधानी बरतने की सलाह भी दी है। भारी बारिश से निचले इलाकों बाढ़ आ सकती है, विशेष रूप से शहरी क्षेत्रों में जहां जल निकासी प्रणाली कमजोर है। पहाड़ी इलाकों, जैसे उत्तराखंड और केरल में भारी बारिश से भूस्खलन का खतरा बढ़ जाता है। तूफान से बिजली के तार गिर सकते हैं, जिससे लंबे समय तक बिजली गुल हो सकती है। बाढ़ और तूफान से रेल और सड़क यातायात बाधित हो सकता है, जिससे यात्रियों को असुविधा हो सकती है। ठहरे पानी से मच्छर पनप सकते हैं, जिससे मलेरिया, डेंगू और अन्य वेक्टर-जनित बीमारियां फैल सकती हैं।

अमरावती निवासी यश बुच्छा रहे यूनिवर्सिटी टॉपर, गोल्ड मेडल से सम्मानित



पुणे। डॉ. डीवाई पाटिल विद्यापीठ के 16वें वार्षिक कॉन्वोकेशन का आयोजन बीते रविवार को यूनिवर्सिटी के न्यू यूनिवर्सिटी आडिटोरियम पुणे में किया गया। इसमें विभिन्न संकाय के विद्यार्थियों को स्नातकोत्तर की डिग्री वितरित की गई। इसके साथ ही यूनिवर्सिटी के हर संकाय के टॉपर विद्यार्थियों को गोल्ड मेडल भी प्रदान किए गए। इसी क्रम में 2025 के यूनिवर्सिटी में सर्वाधिक अंक प्राप्त कर टॉपर रहे छात्र यश बुच्छा को यूनिवर्सिटी के चांसलर पीडी पाटिल ने गोल्ड मेडल पहनाकर सम्मानित किया। उल्लेखनीय है कि यश ने डर्मेटोलॉजी में मास्टर डिग्री हांसिल कर गोल्ड मेडल प्राप्त किया। अमरावती महाराष्ट्र निवासी अभय बुच्छा के पुत्र यश को इस उपलब्धि पर उनके समस्त परिवारजन एवं मित्रों सहित यश के दादा नगीन चंद एवं दादी अंजु बुच्छा ने बधाई व उज्ज्वल भविष्य हेतु शुभकामनाएं प्रेषित की हैं ।



ब्रीफ न्यूज़

लेफ्टिनेंट कर्नल हर्ष गुप्ता और सुरिंदर सिंह ने डिजाइन किया ऑपरेशन सिंदूर का लोगो



नई दिल्ली। भारत के ऑपरेशन सिंदूर के लोगो ने दुनियाभर में हर किसी का ध्यान खींचा था। सेना की ओर से जारी किए गए ऑपरेशन सिंदूर के लोगो ने देशभर के करोड़ों लोगों की भावनाओं को छू लिया था। पाकिस्तान में मौजूद आतंकी ठिकानों पर कार्रवाई के लिए चलाया गया ऑपरेशन सिंदूर का लोगो सेना के लेफ्टिनेंट कर्नल हर्ष गुप्ता और हवलदार सुरिंदर सिंह ने डिजाइन किया था। इस लोगो को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर मिली जबरदस्त प्रतिक्रिया के आंकड़े भी दिए गए हैं। सेना ने कहा कि लोगो को एक्स पर 9 करोड़ और इंस्टाग्राम पर 51 करोड़ व्यूज मिले। यह लोगो देशवासियों के बीच भारतीय सशस्त्र बलों के अदम्य साहस का प्रतीक बन गया है। भारत ने 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए नरसंहार के जवाब में 7 मई को तड़के सटीक हमलों के साथ पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में नौ आतंकी शिविरों को नष्ट कर दिया था। इसके तुरंत बाद भारतीय सेना के सोशल मीडिया हैंडल पर एक पोस्टर के साथ एक मार्मिक संदेश जारी किया था। यह अब ऑपरेशन सिंदूर की छवि बन गया है।

पाकिस्तान बॉर्डर के पास सिक्स आर पोस्ट का नाम ऑपरेशन सिंदूर रखने की योजना

नई दिल्ली। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान बीएसएफ द्वारा जम्मू सेक्टर में इंटरनेशनल बॉर्डर के पास पाकिस्तानी रेंजर्स द्वारा बिना उकसावे के की गई गोलाबारी-बमबारी का मुंहतोड़ जवाब दिया गया था। इसमें बीएसएफ ने पाकिस्तान की 118 पाकिस्तानी सीमा चौकियों को तबाह किया। इनमें पाकिस्तान की 76 बॉर्डर आउटपोस्ट और 42 फॉरवर्ड डिफेंस लोकेशंस शामिल हैं। यही नहीं बीएसएफ ने पाकिस्तान के उन तीन आतंकी लांच पैड को भी खत्म किया था। जहां से 40-50 आतंकवादियों के घुसपैठ करने की आशंका थी। अब बीएसएफ जम्मू में सांबा सेक्टर में पाकिस्तान बॉर्डर के पास अपनी सिक्स आर नाम की पोस्ट का नाम ऑपरेशन सिंदूर रखने की योजना बना रहा है। साथ ही शहीद हुए दो जवानों के नाम पर अन्य दो चौकियों के नाम भी रखने की योजना है। इसके लिए प्रस्ताव केंद्रीय गृह मंत्रालय को भेजा जा रहा है।

अब 15 सितंबर तक दाखिल किया जा सकेगा आयकर रिटर्न

नई दिल्ली। आयकर विभाग ने इनकम टैक्स रिटर्न दाखिल करने की अंतिम तिथि जो 31 जुलाई 2025 थी, को अब बढ़ाकर 15 सितंबर 2025 करने का निर्णय लिया गया है। केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) ने मंगलवार को यह जानकारी दी। सीबीडीटी के अनुसार यह विस्तार आईटीआर फॉर्म, सिस्टम डेवलपमेंट की जरूरतों और टीडीएस क्रेडिट रिफ्लेक्शन में महत्वपूर्ण संशोधनों के कारण अधिक समय प्रदान करेगा। यह कदम सभी के लिए एक सहज और अधिक सटीक फाइलिंग अनुभव सुनिश्चित करता है। औपचारिक अधिसूचना बाद में दी जाएगी। आयकर विभाग ने एक्स पर एक पोस्ट में इसकी घोषणा की। पोस्ट के अनुसार, सीबीडीटी ने आईटीआर दाखिल करने की अंतिम तिथि को बढ़ाने का फैसला किया है। इसकी अंतिम तिथि 31 जुलाई 2025 है, जिसे बढ़ाकर 15 सितंबर 2025 कर दिया गया है। यह विस्तार आईटीआर फॉर्म, सिस्टम डेवलपमेंट की जरूरतों और टीडीएस क्रेडिट रिफ्लेक्शन में महत्वपूर्ण संशोधनों को देखते हुए किया गया है। इन संशोधनों के बाद आईटीआर दाखिल करने के दौरान एक सहज और अधिक सटीक फाइलिंग अनुभव सुनिश्चित हो सकेगा। औपचारिक अधिसूचना बाद में दी जाएगी। सीबीडीटी ने कहा कि करदाताओं के लिए एक सुचारू और सुविधाजनक फाइलिंग अनुभव की सुविधा के लिए, यह निर्णय लिया गया है। आईटीआर दाखिल करने की अंतिम तिथि, जो मूल रूप से 31 जुलाई थी, को बढ़ाकर 15 सितंबर, 2025 कर दिया गया है। कर निर्धारण वर्ष 2025-26 के लिए अधिसूचित आईटीआर में संरचनात्मक और सामग्री संशोधन किए गए हैं, जिसका उद्देश्य अनुपालन को सरल बनाना, पारदर्शिता बढ़ाना और सटीक रिपोर्टिंग को सक्षम बनाना है।



इन करदाताओं को होगा फायदा

यह समय विस्तार उन व्यक्तियों, एचयूएफ और संस्थाओं पर लागू होता है जिन्हें अपने खातों का ऑडिट करवाने की आवश्यकता नहीं है। वे अब 2024-25 (अप्रैल-मार्च) वित्त वर्ष में अर्जित आय के लिए अपना कर रिटर्न 15 सितंबर तक दाखिल कर सकते हैं। इस वर्ष, निर्धारण वर्ष 26 के लिए आईटीआर फॉर्म अप्रैल के अंत और मई के प्रारम्भ में अधिसूचित किए गए, जबकि पिछले वर्ष तक इन्हें जनवरी/फरवरी में अधिसूचित करने की प्रथा थी। सरकार ने 29 अप्रैल को कर निर्धारण वर्ष 2025-26 के लिए आयकर रिटर्न फॉर्म 1 और 4 को अधिसूचित किया है।

एलन मस्क के पिता एरोल मस्क जून में अयोध्या में करेंगे रामलला के दर्शन

नई दिल्ली। अरबपति एलन मस्क के पिता एरोल मस्क जून में अपनी भारत यात्रा के दौरान अयोध्या में राम मंदिर का दौरा करेंगे। वे घरेलू कंपनी सर्वोटेक के वैश्विक सलाहकार बोर्ड में शामिल किए गए हैं। एरोल अपनी भारत यात्रा के दौरान विभिन्न व्यापार-संबंधी बैठकों में भाग लेंगे। उनका पांच दिवसीय भारत दौरा 1 जून से 6 जून तक चलेगा। इसके बाद वे दक्षिण अफ्रीका के लिए रवाना हो जाएंगे। मामले से जुड़े लोगों ने बताया कि एरोल मस्क का दौरा ऐसे कार्यक्रमों से भरा पड़ा है जिनका उद्देश्य भारत को हरित प्रौद्योगिकियों और ईवी चार्जिंग अवसंरचना निर्यात में वैश्विक नेता बनाने के रणनीतिक प्रयास को बढ़ावा देना है। 1 जून को दिल्ली पहुंचने वाले एरोल मस्क 2 जून को कंपनी के एक कार्यक्रम में नीति निर्माताओं, निवेशकों, व्यापार जगत के दिग्गजों और विभिन्न मंत्रालयों के वरिष्ठ नौकरशाहों से मुलाकात करेंगे। सूत्रों के अनुसार, उनकी यात्रा में हरियाणा के सफियाबाद में सर्वोटेक की सौर और ईवी चार्जर विनिर्माण इकाई का दौरा भी शामिल है। वहां भी राज्य के मंत्रियों और नौकरशाहों के मौजूद रहने की उम्मीद है। मामले की जानकारी रखने वाले सूत्रों ने बताया कि मस्क श्री रामलला से आशीर्वाद लेने के लिए राम जन्मभूमि अयोध्या राम मंदिर भी जाएंगे। यह भारत की सांस्कृतिक और आध्यात्मिक विरासत के साथ उनके जुड़ाव को दर्शाता है। सर्वोटेक मस्क की यात्रा के दौरान विश्व पर्यावरण दिवस (5 जून) को एक महत्वपूर्ण पौधरोपण अभियान का भी आयोजन करेगा।

विजय शाह के केस में सुनवाई आज एसआईटी ने जमा की स्टेटस रिपोर्ट



नई दिल्ली। कर्नल सोफिया कुरैशी को आतंकियों की बहन बताने वाले मध्यप्रदेश के कैबिनेट मंत्री विजय शाह के केस में सुप्रीम कोर्ट के निर्देश पर गठित तीन सदस्यीय एसआईटी ने अपनी स्टेटस रिपोर्ट जमा कर दी है। मामले में सुप्रीम कोर्ट में 28 मई को सुनवाई होनी है। कर्नल सोफिया कुरैशी पर विवादास्पद बयान देकर विजय शाह बुरी तरह फंसे हैं। उनके बयान का देशभर में विरोध हो रहा है और मंत्री पद से इस्तीफा मांगा जा रहा है। मंत्री विजय शाह विवाद के बाद तीन बार माफी मांग चुके हैं। 19 मई को सुप्रीम कोर्ट में भी उनके अधिवक्ता ने माफी मांगने का जिक्र किया था जिसे कोर्ट ने नामंजूर कर दिया था। विजय शाह ने 11 मई को इंदौर के पास महू के रायकुंडा गांव में हलमा कार्यक्रम में विवादास्पद बयान दिया था। आईपीएस अधिकारियों की एसआईटी जांच रिपोर्ट के लिए मानपुर थाने भी गई थी। टीम ने मंच पर मौजूद लोगों के बयान के साथ ही इस केस से जुड़े सभी सबूतों और दस्तावेजों को अपनी रिपोर्ट में शामिल किया है। एसआईटी द्वारा जमा की गई स्टेटस रिपोर्ट आरोपी मंत्री विजय शाह के अधिवक्ता और सरकारी अधिवक्ता को उपलब्ध कराई जाएगी। रिपोर्ट के आधार पर ही बुधवार को सुप्रीम कोर्ट में इस केस पर सुनवाई होगी। बता दें कि मप्र हाईकोर्ट ने 14 मई को मंत्री विजय शाह के बयान पर स्वतः संज्ञान लेते हुए उनपर एफआईआर दर्ज करने का आदेश जारी किया था। इस पर विजय शाह के खिलाफ केस दर्ज किया जिसके बाद वे सुप्रीम कोर्ट पहुंचे थे।

आसमान में नहीं दिखने वाले फाइटर जेट बनाने के लिए सरकार ने दी मंजूरी

नई दिल्ली। चीन की ओर से पाकिस्तान को स्टील्थ फाइटर जेट्स मुहैया कराने की खबरों के बीच भारत ने बड़ा कदम उठाया है। सरकार ने अपने खुद के स्टील्थ विमान बनाने के प्लान को मंजूरी दे दी है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने वायुसेना के लिए 5वीं पीढ़ी के मध्यम वजनी उन्नत लड़ाकू विमान (एएमसीए) को स्वदेशी रूप से विकसित करने के मॉडल को मंजूर कर लिया। भारत अपनी वायु शक्ति क्षमता को बढ़ाने के लिए उन्नत 'स्टील्थ' विमानों पर जोर दे रहा है। ये ऐसे विमान हैं, जिनकी हवाई क्षेत्र में मौजूदगी का पता लगाना मुश्किल होता है। साथ ही, ये दुश्मन के क्षेत्र में भीतर तक जाकर लक्ष्य को भेद सकते हैं। रक्षा मंत्रालय ऐसे ही मध्यम वजन के लड़ाकू जेट विकसित करने की एएमसीए परियोजना पर काम कर रहा है।

इस तरह बनाए जाएंगे 5वीं पीढ़ी के लड़ाकू विमान



रक्षा मंत्रालय ने मंगलवार को कहा कि रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने उन्नत मध्यम लड़ाकू विमान कार्यक्रम को मंजूरी दे दी है। बयान में कहा गया है कि भारत की स्वदेशी रक्षा क्षमताओं को बढ़ाने और मजबूत घरेलू एयरोस्पेस औद्योगिक तंत्र को बढ़ावा देने की दिशा में अहम कदम उठाया गया है। वैमानिक विकास एजेंसी (एडीए) उद्योग की साझेदारी के माध्यम से इस कार्यक्रम को लागू करेगा। रक्षा मंत्रालय ने कहा कि यह मॉडल निजी और सार्वजनिक दोनों क्षेत्रों को प्रतिस्पर्धी आधार पर समान अवसर मुहैया करता है। वे स्वतंत्र रूप से या संयुक्त उद्यम या संघ के रूप में बोली लगा सकते हैं। यह यूनिट देश के कानूनों और नियमों का पालन करने वाली भारतीय कंपनी होनी चाहिए।

स्वदेशी विशेषज्ञता और क्षमता के लिए बड़ा कदम

रक्षा मंत्रालय के बयान में कहा गया है कि यह एएमसीए विकसित करने के लिए स्वदेशी विशेषज्ञता और क्षमता का उपयोग करने की दिशा में बड़ा कदम है, जो एयरोस्पेस क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की दिशा में मील का पत्थर साबित होगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता वाली सुरक्षा मामलों की कैबिनेट समिति ने लड़ाकू विमान कार्यक्रम को पिछले साल सैद्धांतिक मंजूरी दे दी थी। इस प्रोजेक्ट की शुरुआती विकास लागत करीब 15,000 करोड़ रुपये आंकी गई है। भारतीय वायुसेना एएमसीए परियोजना की दीर्घकालिक आवश्यकता को देखते हुए इस पर जोर दे रही है। हल्के लड़ाकू विमान विकसित करने के बाद एएमसीए विकसित करने को लेकर भारत का विश्वास काफी बढ़ गया है।

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
लोक पत्रिका
LOK PATRIKA
RNI NO. GUJGUJ/2022/83673

चीन और बांग्लादेश के कपड़ों की व्यापारियों ने जलाई होली

सिटी रिपोर्टर

इंदौर। इंदौर रिटेल गारमेंट्स एसोसिएशन चीन और बांग्लादेश के कपड़ों का विरोध कर रही है। इसी कड़ी में मंगलवार को एसोसिएशन ने प्रतीकात्मक रूप से चीन-बांग्लादेशी कपड़ों की होली जलाई। इस दौरान व्यापारियों ने जमकर नारेबाजी की। शाम को एसोसिएशन के पदाधिकारी-सदस्य व व्यापारी राजगुरु कॉम्प्लेक्स चौराहा, राजबाड़ा पर एकत्रित हुए। यहां पर तीन बोरों में चीन-बांग्लादेशी कपड़े व अन्य एक्सेसरीज थी। जिसके आसपास व्यापारी खड़े होकर नारेबाजी कर रहे है। व्यापारियों ने नारे लगाए कि बांग्लादेश-चायना का कपड़ा नहीं बेचेंगे...नहीं बेचेंगे। नारेबाजी के बाद व्यापारियों ने प्रतीकात्मक रूप से चीन-बांग्लादेश का कपड़े की होली जलाई। होली जलाने के दौरान भी व्यापारी नारेबाजी कर रहे थे। इस दौरान अहिल्या चेंबर्स ऑफ कॉमर्स इंडस्ट्रीज के अध्यक्ष रमेश खंडेलवाल और इंदौर रेडिमेड वस्त्र निमार्ता व्यापारी संघ अध्यक्ष आशीष निगम सहित कई व्यापारी शामिल हुए। बता दे कि टेरर-टॉक और ट्रेड एक साथ नहीं की बात प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कही है और उसे यहां के व्यापारियों ने अपना कर्तव्य धर्म मान लिया है। इंदौर रिटेल गारमेंट्स एसोसिएशन ने अपने 600 से ज्यादा सदस्यों की सहमति संकल्प से चीन बांग्लादेशी कपड़े नहीं बेचने का निर्णय लिया था। एसोसिएशन अध्यक्ष अक्षय जैन ने बताया कि उनके संगठन ने इस अभियान को अनेक व्यवसायिक संगठनों का साथ मिलने लगा है। आम भारतीय चीन-बांग्लादेशी कपड़ों की खरीदी करने से परहेज रखे इसके लिए स्थानीय स्तर पर एसोसिएशन ने अस्थाई कॉल सेंटर भी शुरू किया है। जहां ग्राहकों से ऑनलाइन भी स्वदेशी कपड़ा खरीदने की अपील की जा रही है।



हर माह 60 करोड़ से अधिक के चीनी कपड़े आते है

अकेले इंदौर में हर महीने 60 करोड़ से अधिक का चीनी गारमेंट्स बिक्री के लिए आता है। इसमें वूमेन वेस्टर्न वियर का 60 प्रतिशत मॉल स्टोर्स के साथ साथ ऑनलाइन शॉपिंग पर होता है। बांग्लादेश के जरिए चीन मोटा और वजन में भारी मॉल भारत के बाजारों में सप्लाय करता है, जिसमें आयत शुल्क की चोरी बड़े पैमाने पर कर भारत की आर्थिक नुकसान भी पहुंचाता है। मंगलवार को होली जलाने के दौरान अहिल्या चैम्बर्स ऑफ कॉमर्स इंडस्ट्रीज के अध्यक्ष रमेश खंडेलवाल, भाजपा व्यापारिक प्रकोष्ठ अध्यक्ष धीरज खंडेलवाल, राजेश बाहेती, नरेंद्र बाफना, दीपक भंडारी, आशीष निगम, पवन पंवार, राजेंद्र राठौर, नितिन कस्तूरी सहित अनेक व्यवसायिक सदस्यों की उपस्थिति रही।

दुश्मन देशों से व्यापार का पूर्ण बहिष्कार

अहिल्या चैम्बर्स ऑफ कॉमर्स इंडस्ट्रीज के अध्यक्ष रमेश खंडेलवाल ने कहा कि इंदौर रिटेल गारमेंट्स एसोसिएशन ने प्रंशसनीय पहल शुरू की है। दुश्मन देशों से व्यापार का पूर्णतः बहिष्कार। एसोसिएशन प्रमुख व्यापारियों से विभिन्न शहरों में भी इस मुहिम को गति प्रदान करने का प्रयास कर रहे है। इंदौर रिटेल गारमेंट्स एसोसिएशन अध्यक्ष ने बताया कि कॉल सेंटर के माध्यम से 50 हजार से ज्यादा लोगों को हम ये संदेश दे चुके है। देश के अलग-अलग व्यापारी संगठनों से संपर्क कर उन्हें भी संदेश दे रहे है। आज हमने जो प्रतीकात्मक रूप से होली जलाई उसकी गूंज दूर तक जाएगी।

जमीन के मामले में पीसीसी चीफ जीतू पटवारी के भाइयों पर केस

सिटी रिपोर्टर

इंदौर। जमीन पर कब्जे के मामले में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी के भाई भरत पटवारी और नाना पटवारी समेत इंदौर के जिला कांग्रेस अध्यक्ष सदाशिव यादव के खिलाफ धोखाधड़ी का मामला दर्ज किया गया है। आरोप है कि उन्होंने जमीन पर जबरन कब्जा किया और शिकायतकर्ता नरेंद्र मेहता को धमकाया। तेजाजी नगर पुलिस ने भारतीय दंड संहिता की धारा 318(4), 336, 337, 338, 339 और 340 के तहत केस दर्ज किया है। नरेंद्र मेहता, जो महावीर बाग के निवासी हैं, उन्होंने पुलिस में यह केस दर्ज करवाया है। उन्होंने पुलिस को बताया कि 29 मार्च 2025 को यादव और पटवारी के समर्थकों ने उनकी ग्राम उमरी खेड़ी में स्थित साढ़े छह एकड़ जमीन पर जबरदस्ती कब्जा कर लिया। यादव 15-20 लोगों के साथ वहां आए और उन्हें डराकर जमीन से बाहर कर दिया। मेहता का आरोप है कि सभी आरोपी अब उस जमीन पर कॉलोनी डेवलप कर रहे हैं और सोशल मीडिया पर उसका प्रचार भी शुरू कर दिया गया है।नरेंद्र मेहता ने बताया कि यह जमीन होलकर रियासत द्वारा फरवरी 1939 में नारायण पलसीकर को इनाम स्वरूप दी गई थी। उनके पिता नवरतनमल जैन ने 1950 में इस जमीन को विक्रय संधि के तहत खरीदा था और उसी समय से इस पर उनका वैध अधिकार है। प्रदेश की राजस्व संहिता के अनुसार, वे इस जमीन के कानूनी मालिक हैं। इसके बावजूद, आरोपियों ने जमीन पर कब्जा करने की कोशिश की और फर्जी दस्तावेज तैयार कर जमीन के रिकॉर्ड में भी हेरफेर की है। मेहता ने इस बाबत राजस्व अधिकारियों को भी शिकायत की है।

जान से मारने की धमकी देने का आरोप

नरेंद्र मेहता ने आरोप लगाया कि जब उन्होंने जमीन पर अपनी वैधता का दावा किया और शिकायत दर्ज कराई, तो आरोपियों ने उन्हें जान से मारने की धमकी दी। आरोप है कि आरोपियों ने जमीन पर एक कमरे का निर्माण भी शुरू कर दिया है और सोशल मीडिया के माध्यम से उस जमीन की बिक्री का प्रचार कर रहे हैं। मेहता ने कहा कि जब भी वे जमीन देखने जाते हैं, आरोपियों द्वारा उन्हें धमकाया जाता है और अवैध रूप से रुपए की मांग भी की जाती है।

फर्जी दस्तावेजों से राजस्व रिकॉर्ड में हेरफेर का भी आरोप

मेहता ने यह भी बताया कि आरोपियों ने राजस्व रिकॉर्ड में फर्जी दस्तावेज तैयार कर अपनी नाकामी छुपाने की कोशिश की है। हालांकि, राजस्व विभाग के अभिलेखों में यह जमीन अभी भी उनके पिता नवरतनमल जैन के नाम दर्ज है। आरोप है कि राजस्व रिकॉर्ड में जैन के नाम वाली पर्ची पर चिपकाकर उनके स्थान पर सदाशिव यादव का नाम लिखवा दिया गया है।

25 वैश्य घटकों के 1400 से अधिक प्रत्याशी आएंगे परिचय सम्मेलन में

इंदौर



शहर में पहली बार म.प्र. वैश्य महासम्मेलन की मेजबानी में रविवार, 1 जून को रवीन्द्र नाट्य गृह में अ.भा. विधवा-विधुर, तलाकशुदा, दिव्यांग एवं अधिक उम्र के प्रत्याशियों के लिए हो रहे परिचय सम्मेलन में सभी श्रेणियों में अंतिम रूप से 1400 से अधिक प्रविष्ठियां प्राप्त हो चुकी हैं, जो एक कीर्तिमान है। पहली बार 25 वैश्य घटकों की भागीदारी में हो रहे इस सम्मेलन में जो प्रविष्ठियां प्राप्त हुई हैं, उनमें 600 से अधिक विधवा-विधुर एवं तलाकशुदा तथा 800 से अधिक प्रविष्ठियां अधिक उम्र के प्रत्याशियों की है। इनमें 25 वर्ष की तलाकशुदा युवती प्रत्याशी और 57 वर्ष की विधवा महिला भी शामिल हैं, जो पुनः अपना वैवाहिक जीवन बसाना चाहती है। सम्मेलन की सफलता के लिए म.प्र. वैश्य कल्याण ट्रस्ट के अध्यक्ष गिरीश अग्रवाल, स्वागताध्यक्ष विनोद अग्रवाल, संयुक्त स्वागताध्यक्ष राजेश चेलावत, रमेश मित्तल मेडिकेप्स एवं विमल तोडी ने भी अपने संदेश भेजकर सम्मेलन को सभी वैश्य घटकों के लिए नए उत्साह और उमंग की स्थापना का केन्द्र बताया है।

संगठन के प्रदेश महामंत्री अरविंद बागड़ी, शहर अध्यक्ष धीरज खंडेलवाल एवं परिचय सम्मेलन के प्रमुख संयोजक राजेश गर्ग और शिव जिंदल ने बताया कि सम्मेलन के लिए 1400 प्रविष्ठियां सभी श्रेणियों में प्राप्त हो चुकी हैं। इनमें 27 वर्षीय तलाकशुदा युवक प्रत्याशी भी हैं और 52 वर्षीय अविवाहित तथा 62 वर्षीय विधुर भी शामिल हैं। आयोजन समिति ने इन सभी को उपयुक्त जीवन साथी तलाश करने में मदद के लिए 21 सदस्यीय मिलन सम्पर्क समिति का गठन भी किया है। सभी प्रविष्ठियों का प्रकाशन परिचय पुस्तिका 'शुभ मिलन' में भी किया जा रहा है। अब तक 20 राज्यों और विदेशों से भी जीवन साथी की तलाश के लिए प्रविष्ठियां प्राप्त हुई हैं।

इंदौर में होने वाले इस परिचय सम्मेलन की व्यवस्थाओं को वैश्य समाज की गरिमा के अनुरूप यादगार बनाने के लिए व्यापक तैयारियां की जा रही हैं। समाजसेवी विनोद अग्रवाल, रमेश मित्तल मेडिकेप्स, सम्मेलन के अध्यक्ष दिनेश मित्तल, भरत मोदी, प्रेमचंद गोयल, टीकमचंद गर्ग एवं विष्णु बिंदल के मार्गदर्शन में विभिन्न तैयारियां की जा रही हैं। सम्मेलन में अग्रवाल, जैन, माहेश्वरी, नागर चित्तौड़ा, खंडेलवाल, विजयवर्गीय, मेढ़तवाल, मोड़, पोरवाल, नीमा एवं वैश्य घटकों के अलग-अलग सेवा केन्द्र भी बनाए जा रहे हैं, जहां इन सभी समाजों के प्रतिनिधि एवं समाजसेवी अपनी सेवाएं प्रदान करेंगे। सभी व्यवस्थाओं की समीक्षा और तैयारियों पर चर्चा के लिए नियमित रूप से आयोजन समिति की बैठकों का दौर भी जारी है।

इस बीच कार्यक्रम के प्रेरणा स्त्रोत और वैश्य कल्याण ट्रस्ट के अध्यक्ष गिरीश अग्रवाल ने अपने संदेश में कहा है कि वैश्य समाज के लिए यह एक महत्वपूर्ण आयोजन हो रहा है, जिसमें सभी बंधुओं को एकजुट होकर सार्थक और सफल बनाने का प्रयास करना होगा। अपना जीवन साथी खो चुके लोगों के जीवन में निश्चित ही इस आयोजन से नए उत्साह का संचार होगा। सम्मेलन के स्वागताध्यक्ष विनोद अग्रवाल ने भी इस आयोजन को सामाजिक बदलाव और सकारात्मक चिंतन की दिशा में ऐसे परिचय सम्मेलन को वक्त की मांग बताते हुए इसकी सफलता की शुभ कामनाएं व्यक्त की है। सम्मेलन के संयुक्त स्वगताध्यक्ष राजेश चेलावत, रमेश मित्तल मेडिकेप्स एवं विमल तोडी ने भी इस आयोजन को वैश्य समाज में नव चेतना के संचार का केन्द्र बताते हुए कहा है कि किसी भी कारण से अब तक गृहस्थ जीवन की दहलीज से दूर रह गए समाजबंधुओं के जीवन में नई रौनक लाने का यह वंदनीय प्रयास है।

मंगलवार को इस परिचय सम्मेलन की व्यवस्थाओं को लेकर आयोजन समिति की महत्वपूर्ण बैठक संपन्न हुई, जिसमें सभी समितियों को उन्हें सौंपी गई जिम्मेदारियों के बारे में जानकारियां दी गई। प्रदेश महामंत्री अरविंद बागड़ी ने इस आयोजन को शहर के वैश्य समाज की गरिमा और परंपरा के अनुरूप सफल बनाने का आग्रह किया।

दो जून को लगेगा रोजगार मेला, कई दिग्गज कंपनियां आएंगी

इंदौर। इंदौर में 2 जून को प्रशासन के द्वारा रोजगार मेला आयोजित किया जाएगा। राज्य शासन के निदेर्शानुसार युवाओं को निजी क्षेत्र की प्रतिष्ठित कंपनियों में नौकरी दिलाने के लिए इंदौर जिले में लगातार रोजगार मेले आयोजित किए जा रहे हैं। इसी सिलसिले में आगामी 02 जून 2025, सोमवार को प्रातः 10:00 बजे से सायं 4:00 बजे तक औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था, नंदानगर, इंदौर में रोजगार मेला आयोजित होगा। इसमें निजी क्षेत्र की प्रतिष्ठित कंपनियों में 500 युवाओं को नौकरी मिलेगी। यह संयुक्त रोजगार मेला जिला रोजगार कार्यालय, औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था एवं जिला उद्योग केन्द्र, इंदौर के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित किया जाएगा। उप संचालक रोजगार पी. एस. मण्डलोई ने बताया कि रोजगार मेले में बालाजी वेपर्स, रूपरंग स्टोर्स, श्याम टाटा मोटर्स, शैफाली बिजनेस, मेडपप्स, बी-एबल जैसी प्रतिष्ठित कंपनियां लगभग 500 रिक्त पदों के लिए प्रारंभिक चयन करेंगी। कंपनियों के प्रतिनिधियों द्वारा आवेदकों का साक्षात्कार लेकर पात्र अभ्यर्थियों का चयन किया जाएगा। मेले में 18 से 40 वर्ष की आयु के ऐसे युवा भाग ले सकते हैं, जिन्होंने हाईस्कूल से लेकर स्नातकोत्तर तक की शिक्षा या तकनीकी योग्यता (जैसे आईटीआई) प्राप्त की हो। आवेदकों को रोजगार के साथ-साथ स्वरोजगार हेतु ऋण प्रक्रिया की जानकारी एवं मार्गदर्शन भी प्रदान किया जाएगा। रोजगार मेले में सम्मिलित होने वाले अभ्यर्थियों से अनुरोध है कि वे अपने सभी शैक्षणिक प्रमाण पत्रों, बायोडेटा की प्रतियाँ, आधार कार्ड एवं अन्य आवश्यक प्रमाण पत्रों की छायाप्रतियाँ साथ लेकर आएं।

महिला की शिकायत पर लापरवाही बरतने के मामले में द्वारकापुरी टीआई लाइन अटैच

सिटी रिपोर्टर

इंदौर। इंदौर में द्वारकापुरी थाने में महिला की शिकायत पर लापरवाही बरतना एक टीआई और ड्यूटी अफसर को भारी पड़ गया। डीसीपी ऋषिकेश मीना ने सोमवार रात थाना प्रभारी राहुल राजपूत को लाइन अटैच कर दिया, वहीं ड्यूटी पर मौजूद एएसआई रामगोपाल वर्मा के खिलाफ जांच बैठा दी गई है। मामला एक महिला की घरेलू हिंसा और जान से मारने की धमकी को लेकर की गई शिकायत से जुड़ा है, जिसकी एफआईआर दर्ज करने में थाने स्तर पर लापरवाही बरती गई।

पीड़िता ने बताया कि वह वर्ष 2021 से आरोपी रोहित मराठा निवासी परिवहन नगर के साथ लिव-इन रिलेशनशिप में थी। दो माह पहले झगड़े के बाद दोनों अलग हो गए थे। 25 मई की रात रोहित उसके घर पहुंचा, दरवाजा खुलवाकर जबरदस्ती अंदर घुसा, गाली-गलौज की, मारपीट की और जान से मारने की धमकी दी। महिला का आरोप है कि आरोपी काफी देर तक घर में रुका रहा और मानसिक रूप से प्रताड़ित करता रहा। घटना के अगले दिन जब पीड़िता शिकायत लेकर द्वारकापुरी थाने पहुंची, तो ड्यूटी पर मौजूद एएसआई रामगोपाल वर्मा ने गंभीरता नहीं दिखाई। उन्होंने महिला को काफी देर तक थाने में बैठाए रखा, आवेदन देने की बात कही और एफआईआर दर्ज किए बिना रवाना कर दिया। इस दौरान महिला थाने में रोती रही, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई।

दोपहर बाद जब थाना प्रभारी राहुल राजपूत थाने पहुंचे, तब तक पीड़िता थाने से जा चुकी थी। महिला सीधे डीसीपी ऋषिकेश मीना के पास पहुंची और पूरी आपबीती सुनाई। इस पर डीसीपी ने तत्काल संज्ञान लेते हुए टीआई राहुल राजपूत को लाइन अटैच कर दिया। साथ ही ड्यूटी अफसर एएसआई रामगोपाल वर्मा के खिलाफ विभागीय जांच के आदेश दिए।

डीसीपी मीना की फटकार के बाद पुलिस ने पीड़िता की शिकायत पर आरोपी रोहित मराठा के खिलाफ क्ढउ की धारा 331(6), 115(2), 296, 351, 324(4) के तहत केस दर्ज किया। रोहित पर पहले से भी कई आपराधिक मामले दर्ज हैं।

जानकारी के अनुसार वह एक कांग्रेस नेता के यहां गोली चला चुका है और दो माह पहले एक महिला के घर के बाहर खड़ी एक्टिवा में आग लगाने का भी आरोपी है।

टू-व्हीलर पर ट्रिपलिंग और ड्राइव करते मोबाइल पर बात करने वालों का ड्रोन से कटा चालान

यातायात पुलिस ने पहली बार मंगलवार को ड्रोन की मदद से 25 से अधिक चालान बनाए। अफसरों के अनुसार फिलहाल प्रयोग किया जा रहा है। सफलता मिलने पर लागू किया जाएगा। यातायात जोन-2 के सहायक पुलिस आयुक्त मनोज कुमार खत्री ने बताया कि कई बार दोपहिया वाहन पर तीन सवारी बैठी होती है, लेकिन चौराहा आते ही एक सवारी उतर कर दूसरी ओर चली जाती है। ऐसे में कार्रवाई नहीं कर पाते हैं। इसी तरह कई लोग मोबाइल पर बात करते हुए वाहन चलाते हैं। इसीलिए मंगलवार दोपहर रेडिसन चौराहे पर ड्रोन का प्रयोग किया गया। ड्रोन के माध्यम से हमने चौराहे पर आने वाले तीन सवारी वाहन को पकड़ा और कार्रवाई की।

ड्रोन से जाम का भी लगाएंगे पता : इसी तरह मोबाइल पर बात करने वाले वाहन चालकों को भी पकड़ा। इस तरह 25 से अधिक वाहनों के चालान बनाए। सहायक पुलिस आयुक्त (एसीपी) खत्री ने बताया कि ड्रोन का सबसे ज्यादा फायदा वहां होगा, जहां जाम लग जाता है। कई बार जाम की लोकेशन पर पहुंचने में काफी समय लग जाता है, लेकिन ड्रोन व्यू से आसानी से उस जगह का पता लग जाएगा, जहां से जाम लगने की शुरूआत हुई।



नर्सिंग विद्यार्थियों ने संभाला यातायात

इंदौर में बांबे अस्पताल चौराहे पर मंगलवार को निजी नर्सिंग ट्रेनिंग कालेज के विद्यार्थियों ने ट्रैफिक मित्र बनकर यातायात प्रबंधन में सक्रिय सहभागिता की। इस दौरान नर्सिंग स्टाफ ने दोपहिया वाहन चालकों को हेलमेट पहनने की सलाह दी और चार पहिया वाहन चालकों को सीट बेल्ट लगाने के प्रति जागरूक किया। इसके अतिरिक्त उन्होंने नागरिकों से शराब पीकर वाहन न चलाने, नियंत्रित गति से वाहन चलाने, रेड लाइट पर स्टाप लाइन के पीछे वाहन रोकने, वाहन चलाते समय मोबाइल का उपयोग न करने तथा पैदल यात्रियों का सम्मान करने की अपील की।



14 वाहनों की नीलामी में 139000 रुपए राजस्व प्राप्त हुआ

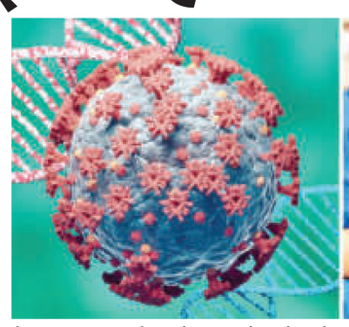
बड़नगर। थाना बड़नगर पर मंगलवार को एसडीएम के आदेश पर एवं एसडीओपी एमएस परमार के मार्गदर्शन पर तहसीलदार माला राय द्वारा थाना प्रभारी बड़नगर अशोक पाटीदार की उपस्थिति में 14 वाहनों की नीलामी की कार्रवाई की गई। इसमें 30 लोगों ने भाग लिया। 14 वाहनों से 139000 रुपए की राजस्व आय हुई। उक्त 14 वाहन थाना बड़नगर में 25 पुलिस एक्ट में जब्त थे जिनकी विधिवत विज्ञप्ति जारी की गई थी। इन वाहनों का पीडब्ल्यू का सरकारी मूल्यांकन 22000 रुपए था।

कोविड वायरस से साइलेंट हार्ट अटैक और थायराइड के मामले बढ़े

इंदौर

इंदौर आईआईटी के प्रोफेसर ने कोविड-19 को लेकर एक महत्वपूर्ण रिसर्च किया है। ICMR के साथ मिलकर किए गए रिसर्च में उन्होंने बताया कि कोविड के कारण लंबे समय तक लोगों को स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं बनी रहती हैं। यह भी पता चला है कि कोविड के वायरस से लोगों को साइलेंट हार्ट अटैक आ रहे और थायराइड हो रहा है। आईआईटी इंदौर द्वारा शीर्ष भारतीय संस्थानों के सहयोग से किए प्रमुख अध्ययन को प्रतिष्ठित जर्नल ऑफ प्रोटिओम रिसर्च में प्रकाशित किया है। अध्ययन से पता चला है कि कोविड-19 वायरस के विभिन्न वेरिएंट ने मानव शरीर को किस प्रकार प्रभावित किया। वहीं, रोग की गंभीरता के विभिन्न स्तरों का कारण बना। इस रिसर्च का नेतृत्व आईआईटी इंदौर के डॉ. हेमचंद्र झा, केआईएमएस भुवनेश्वर के डॉ. निर्मल कुमार मोहकुद ने भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) और आईआईटी इंदौर के सहयोग से किया है।

यह पता लगा रिसर्च में - इस टीम ने SARS-CoV-2 के विभिन्न वेरिएंट ऑफ कंसर्न (VOCs) से जुड़े प्रमुख बायोकेमिकल, हेमटोलॉजिकल, लिपिडोमिक और मेटाबॉलिक परिवर्तनों का अध्ययन किया। विशेष रूप से मूल वाइल्ड टाइप (WT), अल्फा, बीटा, गामा और डेल्टा वेरिएंट। भारत में कोविड-19 की पहली और दूसरी लहर के 3134 रोगियों के डेटा का उपयोग किया गया। रिसर्चकर्ताओं ने बीमारी की गंभीरता से संबंधित 9 महत्वपूर्ण मापदंडों की पहचान करने के लिए मशीन लर्निंग का उपयोग किया। सी-रिएक्टिव प्रोटीन (सीआरपी), डी-डाइमर, फेरिटिन, न्यूट्रोफिल स, व्हाइट ब्लड सेल (डब्ल्यूबीसी) का काउंट, लिम्फोसाइट्स, यूरिया, क्रिएटिन और लैक्टेट डिहाइड्रोजनेज (एलडीएच)। रोगी के डेटा का विश्लेषण करने के अलावा, रिसर्चकर्ताओं ने इन वायरस वेरिएंट से विभिन्न स्पाइक प्रोटीन के संपर्क में आने वाले फेफड़े और कोलन कोशिकाओं का अध्ययन किया। इन सभी में से, डेल्टा वेरिएंट ने शरीर के रासायनिक संतुलन में सबसे महत्वपूर्ण व्यवधान दिखाया। इससे कैटेकोलामाइन और थायरॉइड हार्मोन उत्पादन से संबंधित मार्ग प्रभावित हुए। जिसके परिणामस्वरूप जटिलताएं उत्पन्न हुईं, जिनमें साइलेंट हार्ट फेलुअर और थायरॉइड विकार शामिल हैं। इन निष्कर्षों को मेटा-एनालिसिस द्वारा भी समर्थन मिला, जिसमें यूरिया और अमीनो एसिड मेटाबॉलिज्म में व्यवधानकी ओर इशारा कियागया है।





हमारे अलग-अलग विशेषज्ञ कई नई रिसर्च कर रहे - इस बारे में आईआईटी इंदौर के डायरेक्टर प्रोफेसर सुहास एस. जोशी ने कहा, "यह रिसर्च दिखाता है कि आईआईटी इंदौर में अलग-अलग क्षेत्रों के विशेषज्ञ मिलकर उन्नत स्तर पर रिसर्च कर रहे हैं। कोविड-19 के शरीर पर लंबे समय तक पड़ने वाले असर को गहराई से समझना जरूरी है, ताकि बेहतर इलाज और स्वास्थ्य सेवाएं तैयार की जा सकें।

कोविड के डेल्टा वेरिएंट ने की बड़ी गड़बड़ियां

आईआईटी इंदौर के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. हेमचंद्र झा ने कहा कि हमारे रिसर्च से पता चला है कि अलग-अलग कोविड-19 वेरिएंट शरीर को अलग-अलग तरीकों से प्रभावित करते हैं। खासकर डेल्टा वेरिएंट ने शरीर की कार्यप्रणाली और हार्मोन से जुड़ी प्रक्रियाओं में बड़ी गड़बड़ियां कीं। यह अध्ययन उन लोगों के लंबे समय तक चलने वाले कोविड लक्षणों को समझने और उनका सही इलाज ढूंढ़ने में मदद कर सकता है।

रमन स्पेक्ट्रोस्कोपी से जाना रोगियों में क्या बदलाव हुए

रोगियों के डेटा और लैब में किए गए परीक्षणों के इस संयुक्त अध्ययन से यह पता चला कि कोविड-19 शरीर को अंदर से किस तरह से प्रभावित करता है। इस रिसर्च में मल्टी-ओमिक्स और रमन स्पेक्ट्रोस्कोपी जैसी उन्नत तकनीकों का उपयोग किया गया, जिनका इस्तेमाल आईआईटी इंदौर में प्रोफेसर राजेश कुमार की टीम ने शरीर में हुए बदलावों को समझने के लिए किया। वहीं, रोगियों के डेटा का विश्लेषण आईआईआईटी इलाहाबाद की प्रोफेसर सोनाली अग्रवाल के मार्गदर्शन में किया गया।

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
लोक पत्रिका
LOK PATRIKA
RNI NO. GUJGUJ/2022/83673

ब्रीफ न्यूज़

शनि जयंती पर सुंदरकांड और भंडारे का भव्य आयोजन

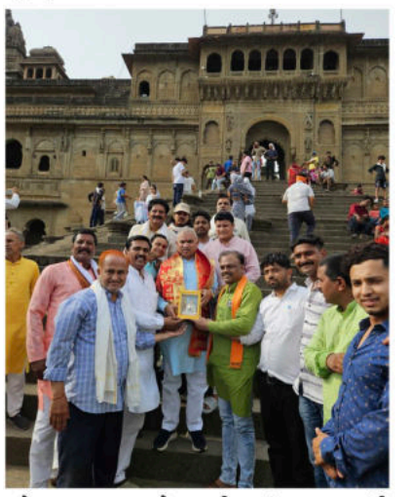


देपालपुर। न्याय के देवता माने जाने वाले श्री शनिदेव भगवान के जन्मोत्सव के अवसर पर नगर में शनि मंदिरों को भव्य साज-सज्जा से सजाया गया। इस पावन दिन पर श्री शनिदेव की विशेष पूजा-अर्चना और तेल से अभिषेक किया गया। सुबह से ही नगर के धार नाका स्थित शनि मंदिर पर श्रद्धालुओं की लंबी कतारें देखने को मिलीं, जिन्होंने भगवान के दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त किया। संध्या के समय मंदिर परिसर में सुंदरकांड पाठ, भजन-कीर्तन और महाआरती का आयोजन हुआ, जिसके बाद भंडारे का वितरण कर सभी श्रद्धालुओं को प्रसाद दिया गया। इसी प्रकार, केसुर रोड पर स्थित नवनिर्मित शनि मंदिर में पांच दिवसीय प्राणप्रतिष्ठा महोत्सव का समापन समारोह संपन्न हुआ। विधि-विधान के साथ भगवान श्री शनिदेव की स्थापना कर विशेष पूजा-अर्चना की गई। इस अवसर पर नगर और आसपास के क्षेत्र से हजारों श्रद्धालु पहुंचे और भोग-भंडारे में भाग लेकर प्रसाद ग्रहण किया।

महेश्वर में 29 से 31 मई तक मनाया जाएगा नगर गौरव दिवस

महेश्वर। नगर परिषद द्वारा माँ अहिल्या की त्रि जन्म शताब्दी के पावन अवसर पर महेश्वर में तीन दिवसीय नगर गौरव दिवस का भव्य आयोजन किया जाएगा। यह कार्यक्रम 29 मई से 31 मई तक चलेगा, जिसमें सांस्कृतिक, खेल और साहित्यिक गतिविधियों का समागम होगा। 29 मई गुरुवार को दोपहर 3 बजे नर्मदा भवन में आम दंगल का आयोजन होगा, जिसमें जिले के विविध क्षेत्रों से खिलाड़ी हिस्सा लेंगे। 30 मई शुक्रवार को बाजार चौक स्थित गोपाल मंदिर के समीप दोपहर 12 बजे रंगोली एवं मेंहदी प्रतियोगिता का आयोजन होगा, जो उत्साह और रंग-बिरंगे आकर्षणों से परिपूर्ण रहेगा। 31 मई शनिवार को सुबह 6 बजे से महेश्वर में पहली बार आयोजित होने वाली मैराथन दौड़ का शुभारंभ होगा। यह दौड़ दत्त आश्रम जलकोटी से लेकर नर्मदा भवन सहस्त्रधारा रोड तक चलेगी, जिसमें सैकड़ों धावक भाग लेंगे। शाम 7 बजे अहिल्या घाट मंच पर नगर गौरव प्रतिभाओं का सम्मान समारोह आयोजित किया जाएगा। इसके बाद एक भव्य अखिल भारतीय कवि सम्मेलन का आयोजन होगा, जिसमें प्रसिद्ध कवि पं. अशोक नागर, राजेन्द्र पंवार, अतुल ज्वाला, मोनिका हटीला, पंकज पंडित, कुलदीप रंगीला, नरेन्द्र अटल सहित अनेक राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय कवि शिरकत करेंगे। विश्व हिंदू परिषद एवं अन्य सामाजिक संगठनों ने आम जन से अपील की है कि वे इस ऐतिहासिक आयोजन में अधिक से अधिक संख्या में भाग लें और महेश्वर की सांस्कृतिक विरासत को गर्व से मनाएं। यह आयोजन न केवल नगर के गौरव को बढ़ाएगा, बल्कि युवाओं में खेल-कूद और साहित्यिक रुचि को भी प्रोत्साहित करेगा।

भाजपा के राष्ट्रीय संगठन महामंत्री महेश्वर पहुंचे, ऐतिहासिक स्थलों का किया अवलोकन



महेश्वर। भाजपा के राष्ट्रीय संगठन महामंत्री शिव प्रकाश मंगलवार को अपने अल्प प्रवास पर महेश्वर पहुंचे। दोपहर आगमन के बाद उन्होंने सबसे पहले राजवाड़ा परिसर स्थित देवी श्री अहिल्याबाई होल्कर की राजगद्दी पर दर्शन किए और वहां देव पूजा स्थल का भी अवलोकन किया। इसके पश्चात उन्होंने किला परिसर स्थित रेवा सोसाइटी में जाकर माहेश्वरी साड़ियों की बुनाई की प्रक्रिया को देखा और कारीगरों से जानकारी ली। संगठन महामंत्री शिव प्रकाश ने ऐतिहासिक किले का भ्रमण करते हुए पतित पावनी मां नर्मदा के दर्शन कर पुण्य लाभ लिया। इस दौरान क्षेत्रीय विधायक राजकुमार मेव और नगर परिषद अध्यक्ष प्रतिनिधि गजराज यादव ने उन्हें देवी श्री अहिल्याबाई होल्कर की मूर्ति भेंट की। इसके पश्चात उन्होंने भगवान काशी विश्वनाथ मंदिर और राजराजेश्वर मंदिर में भी दर्शन किए।इस अवसर पर भाजपा मंडल अध्यक्ष विक्रम पटेल, पूर्व विधायक भूपेंद्र आर्य, नगर परिषद उपाध्यक्ष सचिन शर्मा, पार्षद शैलेंद्र जैन, स्वप्निल गुप्ता, राज यादव, महेंद्र यादव, महादेव पाटीदार, आशीष केवट, जयप्रकाश जाट, अखिलेश केश्वरे सहित अन्य भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

इंदौर में कोरोना की दस्तक के बाद धार स्वास्थ्य विभाग अलर्ट

जिला अस्पताल में 20 बेड का वार्ड तैयार, जांच किट और मेडिकल सुविधाएं की दुरुस्त

सिटी रिपोर्टर

धार। कोरोना के नए वेरिएंट का असर अब बढ़ने लगा है। पड़ोसी जिले इंदौर संभाग में दो मरीजों में कोरोना की पुष्टि हो चुकी है। ऐसे में धार का स्वास्थ्य विभाग अलर्ट हो चुका है, हालांकि अभी तक कोई संदिग्ध मरीज सामने नहीं आया है। लेकिन स्वास्थ्य सेवाओं को दुरुस्त करने की कवायद शुरू कर दी गई है। अस्पताल में 20 बेड का वार्ड आरक्षित रखा गया है, जिसका उपयोग आपात स्थिति में किया जा सकता है। अस्पताल के डॉक्टरों का कहना है कि बीमारी से डरने की कोई जरूरत नहीं है। धार जिले में अब तक एक भी केस सामने नहीं आया है। कोरोना काल की तीनों लहरों में जिले में 314 लोगों की मौत कोरोना के कारण हुई थी, वहीं 12,762 लोग कोरोना



पॉजिटिव हुए थे। तीसरी लहर के बाद से स्थिति अब तक सामान्य बनी हुई है। हालांकि जिला अस्पताल में आरटी-पीसीआर जांच पूरी तरह से बंद है, लेकिन जांच के लिए किट और ऑक्सीजन कंसंट्रेटर पर्याप्त मात्रा में मौजूद हैं। यदि कोई केस सामने आता है तो इलाज में कोई परेशानी नहीं होगी।

स्थिति पर लगातार नजर रखी जा रही है

अस्पताल के डॉक्टरों का कहना है कि लोगों को घबराने की जरूरत नहीं है। स्थिति पर लगातार नजर रखी जा रही है और आवश्यकता पड़ने पर तुरंत कार्रवाई की जाएगी। अस्पताल में मेडिकल किट सहित अन्य सुविधाएं भी पर्याप्त हैं। 20 बेड का एक रिजर्व वार्ड भी पहले से तैयार है।

शासन स्तर से नहीं मिली सूचना

कोरोना के संबंध में अभी तक शासन स्तर से किसी प्रकार की सूचना या नई गाइडलाइन जारी नहीं हुई है। अस्पताल में मेडिकल किट, ऑक्सीजन, और अन्य सुविधाएं पूरी तरह से उपलब्ध हैं।

– डॉ. मुकुंद बर्मन, सिविल सर्जन, जिला अस्पताल, धार।

देवास में क्षिप्रा शुद्धिकरण का अभूतपूर्व अभियान

अतिक्रमण हटाकर 41 हेक्टेयर भूमि मुक्त कराई, 35 हजार पौधे रोपेंगे

सिटी रिपोर्टर

देवास। जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत देवास जिले में क्षिप्रा नदी को स्वच्छ और प्रदूषण मुक्त बनाने की दिशा मंज प्रशासन द्वारा ऐतिहासिक कदम उठाए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री मोहन यादव की मंशानुरूप जल संरक्षण और नदियों के पुनर्जीवन हेतु विशेष अभियान संचालित किया जा रहा है। कलेक्टर ऋतुराज सिंह के मार्गदर्शन में क्षिप्रा शुद्धिकरण के लिए दो माह का विशेष अभियान प्रारंभ किया गया है, जो 6 जुलाई तक चलेगा। इस अभियान के तहत जिले के क्षिप्रा नदी से सटे 22 ग्रामों में शासकीय भूमि पर किए गए अतिक्रमण को हटाने की बड़ी कार्यवाही की गई है। अब तक कुल 41 हेक्टेयर भूमि को अतिक्रमण मुक्त कराया गया है। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि इस भूमि पर अब लगभग 35 हजार पौधे रोपे जाएंगे, जिससे नदी के आसपास का पर्यावरण सुदृढ़ होगा और क्षिप्रा को स्थायी स्वच्छता मिलेगी। अभियान के अंतर्गत ग्राम छापरी से 5.59 हेक्टेयर, पुवाल्डा से 5.52 हेक्टेयर, निपानिया से 4.74 हेक्टेयर, कर्मनखेड़ी से 4.14 हेक्टेयर, किशनगढ़ से 2.99 हेक्टेयर, टूमनी व लोहारपिपल्या से 2.97-2.97 हेक्टेयर और भड़ापिपल्या से 2.80 हेक्टेयर भूमि अतिक्रमण से मुक्त कराई गई है। अतिक्रमण हटाने के साथ-साथ संबंधित क्षेत्रों में साफ-सफाई का कार्य भी किया गया है। इस विशेष अभियान में 11 विभागों के अधिकारियों-कर्मचारियों एवं स्थानीय ग्रामीणों ने मिलकर रोजाना श्रमदान कर जल स्रोतों की सफाई में भागीदारी निभाई है। अब तक इस समन्वित प्रयास के अंतर्गत क्षिप्रा नदी से 260 टन से अधिक गाद निकाली जा चुकी है, जो नदी की स्वच्छता और प्रवाह क्षमता में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।



जन सहभागिता से मिल रही नई ऊर्जा

क्षिप्रा शुद्धिकरण अभियान में केवल प्रशासन ही नहीं, बल्कि जनप्रतिनिधियों से लेकर आम नागरिकों तक सभी वर्गों की भागीदारी देखी जा रही है। सांसद, विधायक, महापौर, कलेक्टर, पुलिस अधीक्षक, विभागीय अधिकारी, कर्मचारी, सामाजिक संगठन और ग्रामीणजन भी श्रमदान में भाग ले रहे हैं। अभियान में होमगार्ड, जन अभियान परिषद, पुलिस विभाग, वन विभाग, नगर निगम, शिक्षा विभाग, जिला शिक्षा केंद्र, महाविद्यालय शिक्षा विभाग, एनआरएलएम, जल संसाधन विभाग, ग्रामीण यांत्रिकी विभाग सहित विभिन्न विभागों की भागीदारी रही है।

नदी के पुनर्जीवन की ओर एक सशक्त कदम

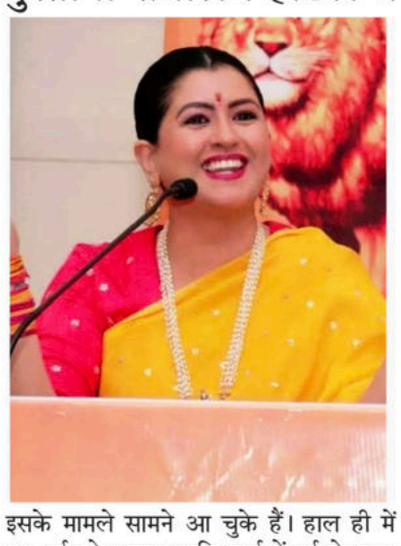
क्षिप्रा शुद्धिकरण अभियान न केवल जल स्त्रोत को पुनर्जीवित करने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है, बल्कि यह जल संरक्षण, पर्यावरण संतुलन और सामुदायिक सहभागिता का भी उत्कृष्ट उदाहरण बन चुका है। आगामी समय में इस अभियान के परिणामस्वरूप क्षिप्रा की धारा और अधिक स्वच्छ, अविरल और प्रदूषण मुक्त दिखाई देगी।

लव जिहाद के खिलाफ देवास में जन चेतना की हुंकार

प्रखर वक्ता काजल हिंदुस्तानी रामाश्रय होटल में आज करेंगी संबोधित

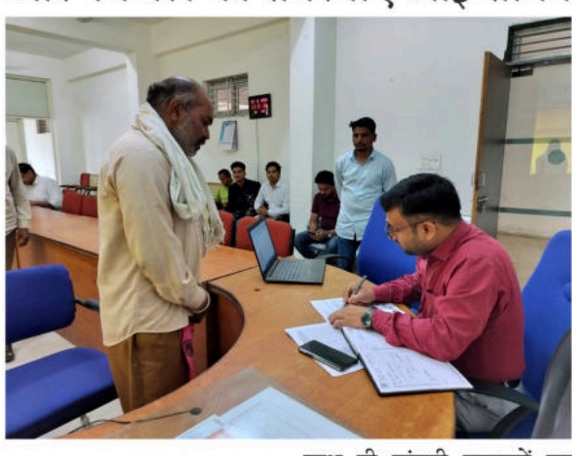
सिटी रिपोर्टर

देवास। देशभर में लव जिहाद की घटनाएं समाज में गहरी चिंता का विषय बनी हुई हैं, और अब देवास में भी इस विषय पर जनजागरण की मुहिम तेज हो गई है। संस्था जन चेतना द्वारा 28 मई, बुधवार को रामाश्रय होटल परिसर, वीर सावरकर चौराहा, विकासनगर में शाम 5 बजे से 'विशाल सचेत भारत कार्यक्रम' का आयोजन किया जा रहा है। इस कार्यक्रम में मुख्य वक्ता होंगी जामनगर (गुजरात) की राष्ट्रवादी एवं प्रखर वक्ता काजल हिंदुस्तानी, जो समाज को लव जिहाद जैसे मुद्दों पर सजग और जागरूक करने के लिए संबोधित करेंगी। कार्यक्रम की जानकारी देते हुए संस्था युवा जन चेतना के संयोजक अजय तोमर ने बताया कि लव जिहाद की घटनाएं अब सिर्फ बड़े शहरों तक सीमित नहीं रहीं, बल्कि देवास जैसे शांत जिलों में भी



इसके मामले सामने आ चुके हैं। हाल ही में 25 मई को मल्हार स्मृति पार्क में हुई छेड़छाड़ और मारपीट की घटना इसी मानसिकता की एक बानगी है, जिसमें हिंदू युवकों पर लाठी, चाकू और बेसबॉल से हमला किया गया था। तोमर ने बताया कि यह कार्यक्रम स्वातंत्र्य वीर सावरकर की जन्म जयंती और लोकमाता देवी अहिल्या की 300वीं जयंती के अवसर पर आयोजित किया जा रहा है। इसमें प्रदीप त्रिपाठी (भोपाल) वीर सावरकर के जीवन और विचारों पर प्रकाश डालेंगे, वहीं राजश्री जोशी (उज्जैन) लोकमाता अहिल्या बाई होलकर के जीवन चरित्र पर व्याख्यान देंगी। कार्यक्रम का उद्देश्य समाज को विशेषकर हिंदू बहन-बेटियों और युवाओं को लव जिहाद जैसे षड्यंत्रों से सावधान करना और उन्हें सजग बनाना है। संस्था ने शहर के समस्त प्रबुद्धजन, जनप्रतिनिधि, पत्रकार, बहन-बेटियां और युवा वर्ग से इस जागरूकता अभियान में भाग लेने की अपील की है, ताकि समाज को सुरक्षित, जागरूक और आत्मरक्षित बनाया जा सके।

अलीराजपुर में जनसुनवाई: बिजली और पेयजल की समस्याएं आईं सामने



सिटी रिपोर्टर

अलीराजपुर। प्रति मंगलवार की तरह इस बार भी कलेक्टर परिसर स्थित जनसुनवाई कक्ष में जनसुनवाई का आयोजन किया गया, जिसकी अध्यक्षता प्रभारी अपर कलेक्टर वीरेंद्र सिंह बघेल ने की। इस जनसुनवाई में जिले के विभिन्न क्षेत्रों से आए नागरिकों ने अपनी समस्याएं रखीं। ग्राम मोरधी, तहसील कट्ठीवाड़ा के निवासियों ने आवेदन देते हुए बताया कि उनके फलिये में लंबे समय से बिजली की सुविधा नहीं है, जिससे उन्हें भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। रात्रि के समय बिजली न होने से बच्चों और वृद्धजनों को आवागमन में कठिनाई होती है, साथ ही जंगली जानवरों का खतरा भी बना रहता है। नागरिकों ने मांग की कि उनके फलिये में शीघ्र ही विद्युत व्यवस्था कराई जाए। इस पर संबंधित आवेदन को विद्युत विभाग को सौंपते हुए नियमानुसार जांच कर शीघ्र कार्यवाही के निर्देश दिए गए। इसी तरह पेयजल संकट, भूमि विवाद, हैंडपंप खनन, अतिक्रमण हटाने, मृत्यु प्रमाण पत्र बनवाने जैसी समस्याओं से जुड़े कुल 15 आवेदन प्राप्त हुए। सभी आवेदनों को संबंधित विभागों को सौंपते हुए आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। जनसुनवाई के दौरान सभी विभागों के प्रमुख अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित रहे।

ओंकारेश्वर में नर्मदा नदी में डूबने से युवक की मौत

मल्होत्रा परिवार का इकलौता बेटा था, नगर में शोक

सिटी रिपोर्टर

ओंकारेश्वर। तीर्थ नगरी ओंकारेश्वर में मंगलवार सुबह एक दर्दनाक हादसे में स्थानीय युवक देवांश मल्होत्रा की नर्मदा नदी में डूबने से मृत्यु हो गई। देवांश अपने माता-पिता की इकलौती संतान था, जिसकी असामयिक मौत से पूरे नगर में शोक की लहर दौड़ गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार, देवांश मंगलवार सुबह लगभग 5 बजे अपने दोस्तों के साथ हनुमान जी को चोला चढ़ाने की कहकर घर से निकला था। सभी युवक नवीन घाट स्थित हनुमान मंदिर पहुंचे, जहां उन्होंने पूजा-अर्चना की। पूजा के बाद सभी ने नर्मदा नदी में स्नान करने का सोचा। नहाते समय देवांश तैरते हुए थोड़ा आगे निकल गया। लौटते समय वह पानी के भंवर में फंस गया और बाहर नहीं निकल पाया। जब काफी समय तक देवांश बाहर नहीं आया, तो उसके साथ मौजूद दोस्तों ने शोर मचाया और तत्काल पुलिस व स्थानीय प्रशासन को सूचना दी गई। स्थानीय गोताखोरों और बचाव दल की मदद से देवांश को पानी से बाहर निकाला गया और तुरंत सिविल अस्पताल ले जाया गया। वहाँ डॉ. रवि वर्मा ने उसे मृत घोषित किया। पुलिस ने मर्ग कायम कर पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया। देवांश के असामयिक निधन से मल्होत्रा परिवार सहित पूरे ओंकारेश्वर नगर में शोक का माहौल व्याप्त है। एकमात्र संतान की ऐसी आकस्मिक मृत्यु से परिजन गहरे सदमे में हैं। नगरवासियों ने भी इस दुःखद घटना पर गहरी संवेदना व्यक्त की है।

कलेक्टर ने सुनीं नागरिकों की समस्याएं, अफसरों से कहा-तत्काल करें निराकरण

सिटी रिपोर्टर

देवास। जिला मुख्यालय पर मंगलवार को आयोजित साप्ताहिक जनसुनवाई में कलेक्टर ऋतुराज सिंह ने बड़ी संख्या में उपस्थित नागरिकों की समस्याएं गंभीरता से सुनीं और उनके निराकरण के लिए संबंधित विभागों को तत्काल और प्रभावी कार्रवाई के निर्देश दिए। जनसुनवाई में अपर कलेक्टर बिहारी सिंह, डिप्टी कलेक्टर संजीव सक्सेना समेत विभिन्न विभागों के जिला अधिकारी मौजूद रहे। जनसुनवाई में आए आवेदनों में प्रधानमंत्री आवास योजना, समग्र आईडी में नाम जोड़ना, सड़क निर्माण, पुलिया निर्माण, बिजली बिल में सुधार, जमीन सीमांकन, नामांतरण, बंटवारा, अतिक्रमण हटाना, नालियों की सफाई जैसे अनेक मुद्दे शामिल



थे। सभी आवेदनों को ध्यानपूर्वक सुनते हुए कलेक्टर ने स्पष्ट निर्देश दिए कि जनता की समस्याओं का समाधान नियमानुसार और समयबद्ध रूप से किया जाए। जनसुनवाई में मंजूबाई डिण्डोरे निवासी बावड़िया और तरुण कुमावत निवासी बिंजाना ने प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत लाभ दिलवाए जाने के लिए आवेदन प्रस्तुत किया। कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि दोनों मामलों में नियमानुसार सर्वे करवा कर पात्रता के अनुसार शीघ्र समाधान किया जाए।

समग्र आईडी में नाम जुड़वाने की अपील

आवेदिका दुर्गा पिता सरदार ने समग्र आईडी में नाम नहीं जुड़ने की शिकायत की। इस पर कलेक्टर ने सामाजिक न्याय विभाग को निर्देशित किया कि नियमानुसार दस्तावेजों की जांच कर आवश्यक सुधार तत्काल करें।

खातेगांव क्षेत्र के नागरिकों ने रखी सड़क और पुलिया निर्माण की मांग

जनसुनवाई में खातेगांव क्षेत्र के नागरिकों ने क्षेत्र में डामरीकरण सड़क की लंबाई बढ़ाने और दूसरी पुलिया बनाए जाने की आवश्यकता जताई। कलेक्टर ने पीडब्ल्यूडी और संबंधित तकनीकी विभाग को मौके का निरीक्षण कर प्रस्ताव तैयार कर शीघ्र आवश्यक कार्यवाही के निर्देश दिए।

अन्य जनसमस्याओं पर भी दिए समाधान के निर्देश

इस जनसुनवाई में अनेकों नागरिकों ने जमीन के सीमांकन, रास्ते से अतिक्रमण हटाने, बिजली बिल अधिक आने, नामांतरण, बंटवारा एवं नालियों की नियमित सफाई जैसी समस्याओं को रखा। कलेक्टर ने इन सभी विषयों पर अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे समस्या की गंभीरता को समझें और संबंधित विभागीय प्रक्रियाओं को शीघ्रता से पूर्ण करें। कलेक्टर ने कहा कि शासन की मंशा के अनुरूप हर पात्र व्यक्ति को योजनाओं का लाभ दिलाना प्रशासन की जिम्मेदारी है। उन्होंने यह भी कहा कि जनसुनवाई में प्राप्त शिकायतों का समाधान पारदर्शिता के साथ किया जाएगा और यदि किसी स्तर पर लापरवाही पाई जाती है तो संबंधित अधिकारी पर कार्रवाई तय की जाएगी।

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
लोक पत्रिका
LOK PATRIKA

RNI NO. GUJGUJ/2022/83673

यदि खतरनाक टर्बुलेंस में फंस जाए विमान तो संयम बरते यात्री

पिछले हफ्ते, दिल्ली से श्रीनगर जा रही इंडिगो की एक फ्लाइट भयंकर तूफान में फंस गई। फ्लाइट पर ओले भी गिरे। जब फ्लाइट लैंड हुई, तो उसका आगे का हिस्सा क्षतिग्रस्त हो चुका था। कई अनुभवी यात्रियों ने कहा कि उन्होंने पहले कभी इतना खतरनाक टर्बुलेंस (हवा में झटके) नहीं देखा था। इस मौसम में टर्बुलेंस होना आम बात है। इस समय विमानों को कई तरह की खतरनाक मौसम संबंधी गतिविधियों का सामना करना पड़ता है। लेकिन, दिल्ली-श्रीनगर इंडिगो फ्लाइट के यात्री जरूर डर गए थे। अच्छी बात यह रही कि किसी को चोट नहीं आई। हालांकि, तीन साल पहले, मई महीने में ही मुंबई से दरभंगा जा रही स्पाइसजेट की एक फ्लाइट टर्बुलेंस में फंस गई थी। वह टर्बुलेंस इंडिगो की फ्लाइट जितना खतरनाक नहीं था, लेकिन फिर भी 18 यात्रियों को चोटें आई थीं। उनमें से एक यात्री की एक महीने बाद मौत हो गई थी। हाल के वर्षों में हर साल भारत में विमानों को प्री-मानसून यानी अप्रैल से मध्य जून तक गंभीर टर्बुलेंस का सामना करना पड़ता है। जैसे-जैसे सूरज धरती को तपाता है, भारतीय उपमहाद्वीप के ऊपर का आसमान खतरनाक रूप से अस्थिर हो जाता है। दिन के समय, जमीन बहुत जल्दी गर्म हो जाती है। गर्म हवा के झोंके ऊपर की ओर उठते हैं। ये ठंडी और नमी वाली हवा से मिलते हैं। इससे बादल बनते हैं और मौसम अस्थिर हो जाता है। छोटा नागपुर पठार (जो झारखंड में है और छत्तीसगढ़, बिहार, पश्चिम बंगाल और ओडिशा तक फैला हुआ है) के ऊपर भयानक तूफान आते हैं। इन्हें नॉरवेस्टर या काल बैसाखी कहा जाता है। ये तेज हवाएं आमतौर पर उत्तर-पश्चिम से आती हैं और अचानक तेजी से टकराती हैं। हर प्री-मानसून टर्बुलेंस की घटना काल बैसाखी नहीं होती है। लेकिन, ये सभी तूफान प्री-मानसून के मौसम में दोपहर में या सूर्यास्त से ठीक पहले सबसे ज्यादा खतरनाक होते हैं। इंडिगो की फ्लाइट जिस टर्बुलेंस में फंसी थी, वह शाम 5.57 बजे हुई थी। लेकिन, इसे आधिकारिक तौर पर काल बैसाखी की घटना नहीं माना गया है। स्पाइसजेट की 2022 की घटना शाम 7 बजे हुई थी। यह काल बैसाखी की घटना हो सकती है, क्योंकि यह उसी जगह और समय पर हुई थी। भारत के अन्य हिस्सों में प्री-मानसून के महीनों में गर्मी और नमी के कारण क्युमुलोनिम्बस बादल (बहुत ही विशाल और ऊंचे बादल, जो अकसर गरज और बिजली के साथ आते हैं) बनते हैं। इसे सीबी बादल भी कहते हैं। ये बादल 700 फीट से लेकर 50,000 फीट तक की ऊंचाई तक बन सकते हैं। माउंट एवरेस्ट की चोटी 29,000 फीट पर है। एक यात्री विमान लगभग 43,000 फीट की ऊंचाई पर उड़ सकता है। यह ऊंचाई विमान के प्रकार के अनुसार अलग-अलग होती है। पायलटों को सीबी बादलों से बचने के लिए प्रशिक्षित किया जाता है। सीबी बादलों के अंदर तेज हवाएं, बिजली, भारी बारिश और ओले होते हैं। ये विमान को झकझोर सकते हैं और नुकसान पहुंचा सकते हैं। एक खराब दिन में, सीबी बादलों की एक श्रृंखला पूरे आसमान में फैल सकती है। इसे स्क्वाल लाइन कहा जाता है। यह पायलटों के लिए एक बुरे सपने जैसा होता है। तीसरे प्रकार का टर्बुलेंस - साफ हवा में टर्बुलेंस (क्लीयर एयर टर्बुलेंस) या सीएटी है। यह विमान के लिए विशेष रूप से खतरनाक होता है, क्योंकि यह रडार और सैटेलाइट दोनों को दिखाई नहीं देता है। सीबी बादलों के विपरीत, यह पायलटों को कॉकपिट से भी दिखाई नहीं देता है। सीएटी जेट स्ट्रीम के कारण होता है। जेट स्ट्रीम तेजी से बहने वाली, संकरी हवा की धारा होती है। हवा की परतों के साथ हवा की गति और दिशा में अंतर के कारण सीएटी हो सकता है। सीएटी15,000 फीट से अधिक ऊंचाई पर होता है। एक विमान जो सीएटी में उड़ता है, वह अचानक और तेजी से ऊंचाई में गिर सकता है या बढ़ सकता है। लेकिन, ऐसा नहीं है कि सीएटी का अनुमान नहीं लगाया जा सकता है। सिगमेट- चार्ट पायलटों को जेट स्ट्रीम के बारे में जानकारी देते हैं। ये चार्ट उस जगह और ऊंचाई का पूवार्नुमान भी लगाते हैं जहां सीएटी हो सकता है। भारत मौसम विज्ञान विभाग हर छह घंटे में एक सिगमेट रिपोर्ट जारी करता है। हाल ही में हुई इंडिगो और मई 2022 की स्पाइसजेट दुर्घटनाओं के उदाहरण लेते हैं। दोनों ही मामलों में, पायलटों ने यात्रियों को आगे टर्बुलेंस के बारे में चेतावनी दी और उन्हें बैठे रहने और सीट बेल्ट बांधने के निर्देश दिए। इंडिगो की उड़ान को स्पाइसजेट की उड़ान की तुलना में बहुत अधिक गंभीर टर्बुलेंस का सामना करना पड़ा, लेकिन किसी भी यात्री को चोट नहीं आई।

हाल ही में हुई इंडिगो और मई 2022 की स्पाइसजेट दुर्घटनाओं के उदाहरण लेते हैं। दोनों ही मामलों में, पायलटों ने यात्रियों को आगे टर्बुलेंस के बारे में चेतावनी दी और उन्हें बैठे रहने और सीट बेल्ट बांधने के निर्देश दिए। इंडिगो की उड़ान को स्पाइसजेट की उड़ान की तुलना में बहुत अधिक गंभीर टर्बुलेंस का सामना करना पड़ा, लेकिन किसी भी यात्री को चोट नहीं आई। यह माना जा सकता है कि सभी यात्रियों और चालक दल ने अपनी सीट बेल्ट बांध रखी थी। स्पाइसजेट के मामले में, जांच की अंतिम रिपोर्ट में कहा गया है कि स्पाइसजेट के पायलट-इन-कमांड ने दो बार यात्रियों को सीट बेल्ट बांधे रखने के लिए कहा था। जब टर्बुलेंस आया, तो कई यात्री जिन्होंने सीट बेल्ट नहीं पहनी थी, अपनी सीटों से उछल गए और उन्हें चोटें आईं। साफ है कि यदि प्लेन खतरनाक टर्बुलेंस में फंस जाए तो यात्री संयम रखें और पायलटों की बात मानें।

विनाश का कारण न बन जाए हीट रिस्क का फैलाव

डॉ. राजेंद्र प्रसाद शर्मा

जलवायु परिवर्तन की दुश्वारियों में से एक देश और दुनिया के देशों में हीट रिस्क के व्यापक प्रभाव से आसानी से समझा जा सकता है। यदि हम भारत की ही बात करें तो 2011 से 2022 के दशक के अध्ययन के अनुसार देश में हीट रिस्क का दायरा बहुत अधिक बढ़ गया है। मजे की बात यह है कि अब दिन की तुलना में रातें भी अधिक गर्म होने लगी है। इसका एक बड़ा कारण आज की भवन निर्माण विधि और शहरों में कांक्रीट का जंगल विकसित होना और अन्य के साथ ही इलेक्ट्रॉनिक उत्पाद खासतौर से अत्यधिक उर्जा खपत वाले फ्रीज और कूलर की जगह लेते एयरकंडीशनर भी एक है। घटते जंगल और आबादी का दबाव भी एक बड़ा कारण है। ऊर्जा के रुप में जो संसाधान उपयोग किये जा रहे हैं वे भी जलवायु परिवर्तन का प्रमुख कारक बन रहे हैं। काउंसिल ऑन एनर्जी, एनवायरमेंट एंड वॉटर सीईईडब्ल्यू की हालिया रिपोर्ट अत्यधिक चिंतनीय और हालात की गंभीरता को दर्षाती है। रिपोर्ट की माने तो देश की तीन चौथाई आबादी आज हीट रिस्क की जद में आ चुकी है। देश के 734 जिलों में से 417 जिले तो अत्यधिक जोखिम वाले जिलों में शुमार हो चुके हैं। कम जोखिम वाले जिलों में तो केवल और केवल 116 जिले ही रह गये हैं। हालात की गंभीरता को इसी से समझा जा सकता है कि वैसे तो हीट रिस्क के दायरें में नॉर्थ ईस्ट और उत्तरी भारत के नाममात्र के क्षेत्र को छोड़ दिया जाये तो समूचा देश आज हीट रिस्क के दायरें में आ चुका है। देश के 10 जिले राजस्थान, दिल्ली, आंध्र प्रदेश, केरल, गोवा, महाराष्ट्र, गुजरात, कर्नाटक, तमिलनाडु और उत्तरप्रदेश हीट रिस्क की अत्यधिक जद में आये प्रदेश व केंद्र शासित राज्य है। ऐसा नहीं है कि हमारे देश में ही हीट रिस्क का दायरा बढ़ रहा है। अपितु अब यह वैश्विक समस्या हो चुकी है। दुनिया के देशों में तापमान में लगातार बढ़ोतरी हो रही है। तेज गर्मी की तपन से हालात दिन प्रतिदिन बिगड़ते जा रहे हैं। जंगलों में दावानल और बैमौसम आंदि तूफान, सूखा या बाढ़ ऐसी समस्यायें आने लगी है जिससे साल दर साल अब अधिक दोचार होना पड़ रहा है। अमेरिक का फर्नेस क्रीक सबसे अधिक गर्म स्थान है तो ट्यूनिशिया का केबिली, कुवैत का मित्रिबाह, ईरान का अहबाज और लुट रेगिस्तान, चीन का फ्लेमिंग आदि स्थान ऐसे है जो सर्वाधिक गर्मी वाले स्थान है। इसके साथ ही मौसम के मिजाज में भी बदलाव आया है। सर्दी में गर्मी और गर्मी में सर्द रात जैसे व असमय आंधी बरसात आम होती जा रही है। गर्मी के दिन बढ़े है। फरवरी तक अब अपनी परंपरागत मौसम का दायरा छोड़ते हुए अत्यधिक गर्मी वाले महीनों में से एक होने लगा है। आखिर यह मौसम का बदलाव भावी संकट की और साफ साफ इशारा कर रहा है। समुद्र का जल स्तर बढ़ रहा है। ग्लेशियर तेजी से पिघलने लगे हैं। समुद्र किनारे के शहरों के सामने अस्तित्व का संकट खड़ा हो गया है। अब डूबने का ड़र सताने लगा है। अमेरिका ही नहीं दुनिया के अन्य देशों के जंगलों में जिस तेजी से आग की घटनाएं बढ़ रही है वह अपने आप में अलग चुनौती होती जा रही है। बीमारियों का असर बढ़ रहा है। हालात गंभीर होते जा रहे हैं।



हीट रिस्क के बढ़ते दायरे को देखते हुए आज हीट एक्शन प्लान बनाये जाने लगे हैं। हांलाकि कि यदि केवल सामान्य नागरिकों के बढ़ती गर्मी के कारण होने वाले प्रभाव पर ही बात की जाए तो गर्मी बीमारियों का प्रमुख कारण बनती जा रही है। कई मिलियन मौतों का कारण हीट वेव है। निर्जलीकरण तो एक प्रमुख कारण है ही इसके साथ ही कार्डियोरेस्पिरेटरी के मामलें आम होते जा रहे हैं। अनिद्रा, तनाव, श्वास लेने में परेशानी, दस्त, पेट दर्द, फूड पोइजनिंग और तापघात आदि बीमारियों का प्रकोप लूताप के कारण दुनिया के देशों में बढ़ता जा रहा है। जिस तेजी से हीट रिस्क का विस्तार होता जा रहा है उससे आने वाले समय में और अधिक गंभीर हालातों का सामना करना पड़ेगा। किसी समय भारतीय परंपरा के अनुसार नौतपा ऐसा समय होता था जब सबसे अधिक गर्मी पड़ती थी। यह भी माना जाता था कि जितना अधिक नौतपा प्रभावी रहेगा उतना ही अच्छी बरसात होगी। पर आजकल यह सारे कंसेप्ट बेमानी होते जा रहे हैं नौतपा के पहले ही इतना तप चुका होता है कि एक एक दिन निकालना भारी हो जाता है। इसके साथ ही कही ना कही गर्मी मौत का या विनाश का कारण ना बने इसके बारे में वैज्ञानिकों को गंभीर मंथन करना होगा। जिस तरह से आज हमारे घर ही तापमान की बढ़ोतरी का कारण बनते जा रहे हैं उसका कोई ना कोई पर्यावरण सहयोगी साधन खोजने होंगे। पहले मकानों में चूने का उपयोग होता था तो दीपावली पर कली भी चूने की होती थी पर आज सारे हालात बदल गए हैं। एक तो गगनचुंबी इमारते और फिर उसका निर्माण लोहे सीमेंट से और इसके साथ ही दैनिक उपयोग के तापमान बढ़ाने वाले सामानों, उपकरणों के उपयोग के चलते बढ़ते तापमान को नियंत्रित करने की बात करने का कोई अर्थ नहीं रह जाता है। ऐसें में गर्मी के कारण चौराहों पर हरी पट्टी तान देने या सड़कों पर पानी का छिड़काव करना कोई समाधान नहीं हो सकता बल्कि वैज्ञानिकों और नीति नियंताओं को गंभीर चिंतन करते हुए समय रहते हुए तापमान की बढ़ोतरी के कारकों को नियंत्रित करने के उपायों पर ठोस प्रयास करना होगा।

बता दें कि भारतभर में पड़ रही भीषण गर्मी को लेकर एक नई स्टडी सामने आई है। नए अध्ययन के अनुसार भारत के लगभग 57 प्रतिशत जिले वर्तमान में उच्च से बहुत उच्च हीट रिस्क की स्थिति में हैं। इन जिलों में भारत की कुल आबादी का 76 प्रतिशत हिस्सा रहता है।

दिल्ली स्थित क्लाइमेट एंड एर्जी थिंक-टैंक काउंसिल ऑन एनर्जी एनवायरनमेंट एंड वाटर द्वारा प्रकाशित अध्ययन के अनुसार सबसे हीट रिस्क वाले 10 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में दिल्ली, महाराष्ट्र, गोवा, केरल, गुजरात, राजस्थान, तमिलनाडु, आंध्रप्रदेश, मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश शामिल हैं।

स्टडी में यह भी पाया गया कि पिछले दशक में बहुत गर्म दिनों की तुलना में बहुत गर्म रातों की संख्या में तेजी से बढ़ोतरी हुई है। अध्ययन में रिसर्चर्स ने 734 जिलों के लिए एक हीट रिस्क इंडेक्स विकसित किया, जिसमें हीट ट्रेंड, भूमि उपयोग, वॉटर बॉडीज और ग्रीन कवर का अध्ययन करने के लिए 40 साल के क्लाइमेट डेटा (1982-2022) और सैटेलाइट इमेज का उपयोग किया गया था।

रात के समय तापमान का बढ़ना खतरनाक माना जाता है, क्योंकि शरीर को ठंडा होने का मौका नहीं मिलता। शहरी गर्मी के कारण रात के समय तापमान में वृद्धि अधिक आम है, जिसमें मेट्रो क्षेत्र अपने आसपास के इलाकों की तुलना में काफी गर्म होते हैं। रिपोर्ट में कहा गया है, बहुत गर्म रातों में वृद्धि सबसे अधिक उन जिलों में देखी गई है, जिनकी आबादी बड़ी है। पिछले दशक में, मुंबई में हर गर्मियों में 15 अतिरिक्त बहुत गर्म रातें देखी गईं, बेंगलुरु (11), भोपाल और जयपुर (7-7), दिल्ली (6) और चेन्नई (4)।

अध्ययन से पता चला है कि पारंपरिक रूप से ठंडे हिमालयी क्षेत्रों में भी, जहां मैदानी इलाकों और तटों की तुलना में गर्मी की सीमा कम है, बहुत गर्म दिन और बहुत गर्म रातें दोनों में वृद्धि हुई है। यह नाजुक पर्वतीय इको सिस्टम को गंभीर रूप से प्रभावित कर सकता है। उदाहरण के लिए जम्मू कश्मीर और लद्दाख जैसे केंद्र शासित प्रदेशों में बहुत गर्म दिनों और बहुत गर्म रातों की संख्या बढ़ गई है। अध्ययन से यह भी पता चला है कि पिछले दशक में उत्तर भारत की गर्मियों की आर्द्रता 30-40 प्रतिशत से बढ़कर 40-50 प्रतिशत हो गई है, जिससे गर्मी का तनाव और भी बढ़ गया है, खासकर सिंधु-गंगा के मैदानी इलाकों में जहां खेत मजदूर बाहर काम करते हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि आउटडोर काम करने वाले, गर्भवती महिलाएं, बुजुर्ग, बच्चे और पुरानी स्वास्थ्य समस्याओं से पीड़ित लोगों को हीट एग्जॉस्ट और हीटस्ट्रोक का ज्यादा जोखिम होता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, 1998 से 2017 के बीच हीटवेव के कारण 1,66,000 से ज्यादा लोगों की मौत हुई। भारत में 2010 के बाद से सबसे ज्यादा हीटवेव के दौर में पिछले साल हीटस्ट्रोक के 48,000 से अधिक मामले दर्ज किए गए और हीट से जुड़ी 159 मौतें हुईं।

बिजनेस/खेल

उतार-चढ़ाव के बाद लाल निशान पर बंद हुआ बाजार, सेंसेक्स 625 अंक गिरा

मुंबई। बैंकिंग, आईटी और ऑटो शेयरों में मुनाफावसूली के कारण मंगलवार को घरेलू शेयर बाजार के प्रमुख बेंचमार्क सूचकांक गिरावट के साथ बंद हुए। हफ्ते के दूसरे कारोबारी दिन सेंसेक्स में दो दिन की तेजी का सिलसिला थम गया और यह करीब 625 अंक नीचे फिसल गया।30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स उतार-चढ़ाव भरे सत्र में 624.82 अंक या 0.76 प्रतिशत गिरकर 81,551.63 पर बंद हुआ। दिन के कारोबार के दौरान, यह 1,054.75 अंक या 1.28 प्रतिशत गिरकर 81,121.70 पर आ गया। सेंसेक्स के 25 शेयरों में गिरावट दर्ज की गई, जबकि पांच शेयरों में तेजी दर्ज की गई। 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 174.95 अंक या 0.70 प्रतिशत गिरकर 24,826.20 पर आ गया। पहली छमाही में सूचकांक में तेज उतार-चढ़ाव देखने दिखा और भारी भरकम शेयरों में लगातार मुनाफावसूली के कारण सूचकांक लाल निशान पर बंद हुआ। पिछले दो सत्रों में प्रमुख सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी में लगभग 1.5 प्रतिशत की वृद्धि हुई थी।

बजार से जुड़े जानकारों के अनुसार बुधवार को अप्रैल माह के औद्योगिक और विनिर्माण उत्पादन के आंकड़े जारी होने है। इस सप्ताह के अंत में पहली तिमाही के सकल घरेलू उत्पाद के आंकड़े भी आने हैं। इसे देखते हुए पहले निवेशक पहले से ही सतर्कता बरत रहे हैं। सेंसेक्स के 30 शेयरों की बात करें तो अल्ट्राटेक सीमेंट में सबसे अधिक 2.21 फीसदी की गिरावट आई, वहीं आईटीसी के शेयर 2.01 फीसदी तक फिसल गए। टाटा मोटर्स, एनटीपीसी, एक्सिस बैंक, एचसीएल टेक, महिंद्रा एंड महिंद्रा,



एचडीएफसी बैंक, आईसीआईसीआई बैंक और इटरनल के शेयर भी गिरावट के साथ बंद हुए। हालांकि, इंडसइंड बैंक, सन फार्मा, अदाणी पोर्ट्स, नेस्ले और एशियन पेंट्स के शेयर हरे निशान पर बंद होने में सफल रहे।

जियोजित इन्वेस्टमेंट्स के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा, घरेलू बाजार में उतार-चढ़ाव देखा गया और दो दिन की तेजी थम गई। निवेशकों ने मूल्यांकन संबंधी चिंताओं और एशियाई बाजारों में कमजोरी के कारण मुनाफावसूली का विकल्प चुना। नायर ने कहा कि चौथी तिमाही की आय अनुमान से बेहतर रहने तथा प्रीमियम मूल्यांकन में नरमी के कारण मिड-कैप और स्मॉल-कैप खंड अपेक्षाकृत लचीले बने रहे।बीएसई स्मॉलकैप सूचकांक में 0.19 प्रतिशत तथा मिडकैप सूचकांक में 0.18 प्रतिशत की बढ़त दर्ज की गई। क्षेत्रीय सूचकांकों में एफएमसीजी में 0.79 प्रतिशत, आईटी में 0.71 प्रतिशत, बीएसई फोकस्ड आईटी में 0.68 प्रतिशत, ऑटो में 0.66 प्रतिशत, बैंकेक्स में 0.60 प्रतिशत, यूटिलिटीज में 0.57 प्रतिशत तथा धातु में 0.52 प्रतिशत की गिरावट आई। स्वास्थ्य सेवा, उद्योग, दूरसंचार, पूंजीगत सामान, रियल्टी और उपभोक्ता टिकाऊ सामान क्षेत्र में लाभ रहा।

रेलिगेयर ब्रोकिंग लिमिटेड के वरिष्ठ उपाध्यक्ष (शोध) अजीत मिश्रा ने कहा, हम इस समय मिश्रित वैश्विक संकेतों के बीच तेजड़ियों और मंदड़ियों के बीच रस्साकशी देख रहे हैं। हालांकि, अच्छे मानसून और मजबूत वृहद आर्थिक आंकड़ों जैसे अनुकूल घरेलू कारक सकारात्मक माहौल बनाए रखने में मदद कर रहे हैं। एशियाई बाजारों में, दक्षिण कोरिया का कोस्पी और शंघाई का एसएसई कंपोजिट सूचकांक नकारात्मक क्षेत्र में बंद हुआ जबकि जापान का निक्केई 225 सूचकांक और हांगकांग का हैंग सेंग बढ़त के साथ बंद हुआ। यूरोप के बाजार हरे निशान में कारोबार कर रहे थे। मेमोरियल डे के कारण सोमवार को अमेरिकी बाजार बंद रहे।

एक्सचेंज के आंकड़ों के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने सोमवार को 135.98 करोड़ रुपये मूल्य के शेयर खरीदे। वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड 0.51 प्रतिशत बढ़कर 65.07 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया। इससे पहले, सोमवार को बीएसई सेंसेक्स 455.37 अंक या 0.56 प्रतिशत बढ़कर 82,176.45 पर बंद हुआ था। निफ्टी 148 अंक या 0.60 प्रतिशत चढ़कर 25,001.15 पर बंद हुआ था।

अब बात करते हैं सराफा बाजार की। वैश्विक अस्थिरता के बीच मंगलवार को राजधानी दिल्ली में सोना 800 रुपये की गिरावट के साथ 98,500 रुपये प्रति 10 ग्राम के भाव पर पहुंच गया। जिससे चार दिनों से जारी तेजी थम गई। अखिल भारतीय सराफा संघ ने इसकी पुष्टि की है। 99.5 प्रतिशत शुद्धता वाली पीली धातु 800 रुपये घटकर 98,000 रुपये प्रति 10 ग्राम (सभी करों सहित) रह गई। पिछले बाजार सत्र में यह 98,800 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुई थी। इसके अलावा, मंगलवार को चांदी की कीमत 1,370 रुपये घटकर 99,000 रुपये प्रति किलोग्राम (सभी करों सहित) रह गई। सोमवार को सफेद धातु 1,00,370 रुपये प्रति किलोग्राम पर बंद हुई थी। वैश्विक मोर्चे पर, हाजिर सोना 45.03 डॉलर प्रति औंस या 1.35 प्रतिशत घटकर 3,296.92 डॉलर प्रति औंस रह गया। कोटक सिक्योरिटीज में कमोडिटी रिसर्च की एवीपी कायनात चैनवाला ने कहा, अमेरिका के साथ व्यापार वार्ता में तेजी लाने के लिए ब्रुसेल्स दबाव बना रहा है।

आईपीएल के समापन समारोह में होगा सशस्त्र बलों का सम्मान

नई दिल्ली। आईपीएल 2025 सीजन अब अपने समापन की ओर बढ़ रहा है। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) और लखनऊ सुपर जाएंट्स के बीच मंगलवार को होने वाला मुकाबला इस सीजन का आखिरी ग्रुप चरण का मैच होगा। इसके बाद गुरुवार से प्लेऑफ के मुकाबले खेले जाएंगे और फिर तीन जून को आईपीएल के 18वें सत्र का खिताबी मुकाबला अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेला जाएगा। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने आईपीएल के समापन समारोह की तैयारियां शुरू कर दी है और इसके लिए खास योजना बनाई है। बीसीसीआई ने ऑपरेशन सिंदूर की सफलता का जश्न मनाने का फैसला किया है और इसके तहत बोर्ड ने समापन समारोह के लिए सीडीएस, थल सेना अध्यक्ष के साथ ही वायुसेना और नौसेना प्रमुख को भी न्योता दिया है। बीसीसीआई के सचिव देवजीत सैकिया ने एक न्यूज एजेंसी के हवाले से कहा, बोर्ड हमारे सशस्त्र बलों की बहादुरी, साहस और निस्वार्थ सेवा को सलाम करता है, जिनके ऑपरेशन सिंदूर ने वीरतापूर्ण प्रयास से राष्ट्र की रक्षा की और हमें प्रेरित किया। सम्मान के रूप में हमने समापन समारोह को सशस्त्र बलों को समर्पित करने का फैसला किया है। उन्होंने कहा, हमने भारतीय सेना के तीनों सेना प्रमुख, शीर्ष रैंक के अधिकारी और जवानों को ऑपरेशन सिंदूर की सफलता के लिए अहमदाबाद में होने वाले फाइनल मुकाबले के लिए आमंत्रित किया है।देशभक्ति की भावना को और बढ़ाने के लिए इस कार्यक्रम में



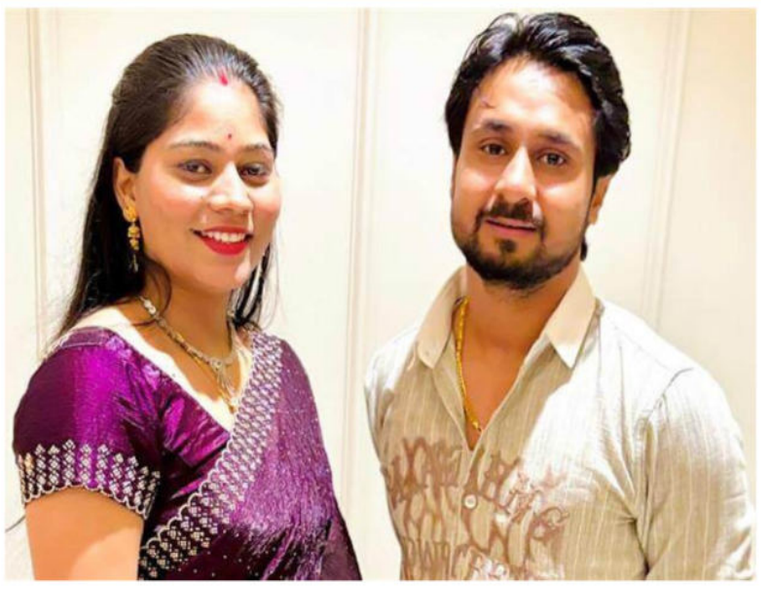
सैन्य बैंड द्वारा प्रस्तुति दिए जाने की संभावना है, जिसके बाद एक संगीत समारोह का आयोजन किया जाएगा। नरेंद्र मोदी स्टेडियम में एक लाख से अधिक दर्शकों की उपस्थिति को देखते हुए बीसीसीआई को उम्मीद है कि समापन समारोह एक सफल कार्यक्रम रहेगा। सैकिया ने कहा, भले ही क्रिकेट राष्ट्रीय जुनून है, लेकिन हमारे देश की संप्रभुता, अखंडता और सुरक्षा से बढ़कर कुछ भी नहीं है। हालांकि, यह पहली बार नहीं है जब आईपीएल के दौरान सशस्त्र बलों को समर्पित कोई समारोह आयोजित किया जाएगा। 2019 में बीसीसीआई ने चेन्नई में टूर्नामेंट के उद्घाटन समारोह के लिए सैन्य बैंड को आमंत्रित किया था और पुलवामा आतंकी हमले के बाद सशस्त्र बलों के लिए 20 करोड़ रुपये का योगदान देने का भी संकल्प लिया था। मालूम हो कि पुलवामा हमले में 44 सीआरपीएफ जवान बलिदान हुए थे। भारत ने सात मई को ऑपरेशन सिंदूर के तहत आतंकियों के ठिकानों पर सटीक हमले किए। यह कार्रवाई 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले के जवाब में की गई थी। इसके बाद पाकिस्तान ने 8, 9 और 10 मई को भारतीय सैन्य ठिकानों पर हमले की कोशिश की, जिनका भारतीय सेना ने करारा जवाब दिया। इस जवाबी कार्रवाई में पाकिस्तान के कई सैन्य ठिकानों को नुकसान पहुंचा, जिनमें एयर बेस, रडार साइट्स, और कमांड सेंटर शामिल हैं। इससे घबराए पाकिस्तान ने 10 मई को भारत के सामने सीजफायर का प्रस्ताव रखा, जिसे दोनों देशों ने आपसी चर्चा के बाद लागू कर लिया।भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव का प्रभाव आईपीएल पर भी पड़ा था और टूर्नामेंट को एक सप्ताह के लिए स्थगित करना पड़ा था। सीजफायर के बाद आईपीएल 17 मई से दोबारा शुरू हुआ, लेकिन इसके कार्यक्रम में बदलाव करना पड़ा। तय कार्यक्रम के अनुसार, आईपीएल का फाइनल 25 मई को कोलकाता में खेला जाना था, लेकिन बाद में संशोधित कार्यक्रम जारी हुआ जिसके तहत फाइनल मुकाबला तीन जून को अहमदाबाद में कराने का फैसला लिया गया। सशस्त्र बलों के सम्मान में कुछ मुकाबलों से पहले राष्ट्रगान भी बजाया गया था।

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
लोक पत्रिका
LOK PATRIKA
RNI NO. GUJGUJ/2022/83673

मेघालय में इंदौर के लापता दंपति की तलाश में बड़ा ऑपरेशन शुरू

50 लोगों की टीम कर रही तलाश, गाइड के बिना निकले थे सफर पर, सीएम मोहन यादव भी चिंतित, मेघालय के सीएम कॉनराड संगमा से फोन पर की बात

इंदौर। मेघालय के ईस्ट खासी हिल्स जिले में इंदौर के दंपति की तलाश के लिए पुलिस और गांव वालों ने बड़ा सर्च ऑपरेशन शुरू किया है। यह जानकारी मेघालय पुलिस ने मंगलवार को दी। राजा रघुवंशी और उनकी पत्नी सोनम, 23 मई को नोंग्रियाट गांव के एक होमस्टे से चेकआउट करने के बाद मावलाखाइट गांव की ओर बिना किसी गाइड के निकल गए थे। पुलिस अधिकारी ने बताया कि उनकी मोबाइल लोकेशन आखिरी बार मावलाखाइट गांव में पाई गई थी। ईस्ट खासी हिल्स के एसपी विवेक सिएम ने बताया कि राजा रघुवंशी और उनकी पत्नी सोनम की तलाश के लिए 50 से ज्यादा लोगों की टीम बनाई गई है। हर टीम में 10 लोग हैं, जिनमें गांव के लोग और विलेज डिफेंस पार्टी के सदस्य भी शामिल हैं। दंपती द्वारा किराए पर ली गई स्कूटी 23 मई को सोहरारिम गांव में लावारिस हालत में मिली थी, जो कि वहां से करीब 50 किलोमीटर दूर है। इसके बाद गांव वालों ने पुलिस को इसकी सूचना दी। पुलिस जांच में पता चला कि दंपति ने पहले नोंग्रियाट गांव में गाइड के साथ लिविंग रूट्स ब्रिज देखा था और वहीं रात गुजारी थी। सर्च ऑपरेशन सूरज ढलने के बाद रोका गया है, लेकिन बुधवार को फिर से ज्यादा संख्या में लोग इसमें लगाए जाएंगे, एसपी ने बताया कि इससे पहले इसी साल एक हंगेरियन पर्यटक लिविंग रूट्स ब्रिज की ट्रेकिंग के दौरान लापता हो गया था और 12 दिन बाद उसकी मौत हो गई थी। पुलिस ने उसकी मौत में किसी साजिश की बात से इनकार किया है। मेडिकल रिपोर्ट में बताया गया कि वह गिरने से मरा था। इसके बाद राज्य सरकार ने पर्यटकों को सलाह दी थी कि वे ट्रेकिंग या बाहर घूमने के दौरान किसी गाइड को साथ लें ताकि उनकी सुरक्षा बनी रहे।



मेघालय के सीएम ने दिया आश्वासन

शादी के बाद इंदौर से हनीमून मनाने शिलांग गए इंदौर के दंपति के चार दिन से लापता होने के मामला मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव तक पहुंचा है। उन्होंने इस मामले में चिंता जताते हुए मेघालय के मुख्यमंत्री कॉनराड संगमा से फोन पर चर्चा की है। संगमा ने कहा है कि शिलांग प्रशासन इस मामले में गंभीर है और दोनों का पता लगा रहे हैं। मुख्यमंत्री यादव ने एक्स पर इस बारे में पोस्ट करते हुए कहा कि मैने मध्यप्रदेश के वरिष्ठ अफसरों को निर्देश दिए है कि वे शिलांग पुलिस के संपर्क में रहे। उन्होंने लिखा कि हमारी प्रार्थना है कि राजा और सोनम सकुशल वापस आ जाए। सीएम मोहन यादव ने अपनी पोस्ट में लिखा कि मैंने मध्यप्रदेश के वरिष्ठ अधिकारियों को भी इस मामले में मेघालय प्रशासन से निरंतर संपर्क में रहने और समन्वय हेतु निर्देशित किया है। ईश्वर से प्रार्थना है कि राजा और सोनम सकुशल अपने घर वापस लौटें, हम उनकी सुरक्षित वापसी के लिए पूर्ण प्रतिबद्धता के साथ प्रयासरत हैं।

शिलांग के डबलडेकर रुट की खाई में हो रही खोज

दंपति की खोजबीन शिलांग से 50 किलोमीटर दूर डबल डेकर रुट की खाई के आसपास हो रही है। इस रुट पर पेड़ों की जड़ों से बना एक प्राकृतिक ब्रिज है। जिसे देखने पर्यटक जाते है। संभवतः राजा रघुवंशी और उनकी पत्नी सोनम भी वहां गए होंगे। दोनो की 11 मई को शादी हुई है। पुलिस को उनकी अंतिम लोकेशन भी इस क्षेत्र के आसपास ही मिली थी, हालांकि मंगलवार को भी उनका पता नहीं चला। जिस हिस्से में दोनों को सर्चिंग की जा रही है। वहां 29 मार्च को एक पर्यटक लापता हुआ था। वह नोंग्रियाट गांव होते हुए डबल डेकर रुट पर गया था। तीन दिन बाद उसका क्षत-विक्षत शव पुलिस को जंगल में मिला था। पुलिस ने उस घटना को लेकर संदेह जताया था कि गिरने से उसकी मौत हुई है।

राजा और सोनम हफ्तेभर पहले मेघायल गए थे

इंदौर से सप्ताहभर पहले राजा और सोनम मेघालय गए थे। वे शिलांग से शिलांग से 50 किलोमीटर दूर डबल डेकर रुट तक किराए पर ली गए स्कूटर से गए थे। इसके बाद दोनो लापता हो गए। दोनों के कॉल भी नहीं लग रहे हैं,जबकि किराए पर ली गई एक्टिवा पुलिस को मिल चुकी है। उसमें चाबी भी लगी हुई थी। शिलांग पुलिस तीन दिन से उनकी खोजबीन में जुटी है। इंदौर से भी रघुवंशी परिवार के कुछ परिजन शिलांग पहुंच चुके है। मोबाइल लोकेशन के आधार पर उन्हें खोजा जा रहा है। पहाड़ी क्षेत्र में किराए पर लिया गया उनका स्कूटर तो मिल गया, लेकिन दोनों के मोबाइल फोन नहीं मिले हैं।

दोपहर में सोनम ने मां से की थी बात

शिलांग में जाने के बाद जब राजा और सोनम डबल डेकर रुट की तरफ जा रहे थे तो सोनम ने अपनी मां से दोपहर डेढ़ बजे बात की थी। उसके बाद से उनका कॉल नहीं लगा। राजा के रिश्तेदारों ने बताया कि मंगलवार को खाई वाले हिस्से में दोनों को खोजने का काम जारी था, लेकिन पता नहीं चला। मोबाइल लोकेशन के आधार पर उन्हें खोजा जा रहा है। पहाड़ी क्षेत्र में किराए पर लिया गया उनका स्कूटर तो मिल गया, लेकिन दोनों के मोबाइल फोन नहीं मिले है। शिलांग पुलिस ने दोनों की तलाशी के लिए अलग-अलग टीमें बनाई है।

यह कहा मेघालय पुलिस ने

मामले की जानकारी देते हुए मेघालय पुलिस ने बताया कि इंदौर निवासी राजा रघुवंशी और उनकी पत्नी सोनम, पूर्वी खासी हिल्स जिले की यात्रा के दौरान लापता हो गए, जिसका मुख्यालय राज्य की राजधानी शिलांग में स्थित है। पुलिस ने कहा कि नवविवाहित जोड़ा एक दोपहिया वाहन किराए पर लेकर मेघालय के एक बेहद ऊंचाई वाले शहर सोहरा (चेरापूंजी) में पर्यटन स्थलों पर घूम रहे थे, इसी दौरान वे अचानक लापता हो गए। एक अधिकारी के अनुसार, जोड़े को आखिरी बार सोहरा में देखा गया था, वहीं उनका किराए पर लिया दोपहिया वाहन बाद में शहर से 15 किमी दूर मिला।

इंदौर क्राइम ब्रांच मेघालय पुलिस के संपर्क में

इंदौर पुलिस की क्राइम ब्रांच के एक अधिकारी ने मामले की जानकारी देते हुए मंगलवार को कहा कि हम युवा जोड़े के बारे में पता लगाने के लिए मेघालय पुलिस से लगातार संपर्क में हैं। वीडियो कॉल के जरिए भी हमारी संबंधित पुलिस अधिकारियों से इस मुद्दे को लेकर चर्चा हुई है।

ब्रीफ न्यूज़

सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल के सदस्य गुलाम नबी आजाद की कुवैत में बिगड़ी तबीयत



नई दिल्ली। ऑपरेशन सिंदूर के बाद पाकिस्तान को बेनकाब करने भाजपा सांसद बैजयंत पांडा के नेतृत्व में खाड़ी देशों की यात्रा पर गए पूर्व केंद्रीय मंत्री गुलाम नबी आजाद की तबीयत बिगड़ गई। उनको कुवैत के अस्पताल में भर्ती कराया गया। प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व कर रहे बैजयंत पांडा ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि हमारे प्रतिनिधिमंडल के दौरे के आधे रास्ते में गुलाम नबी आजाद को अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा है। उनकी हालत स्थिर है। उन्हें चिकित्सकीय देखरेख में रखा गया है और कुछ परीक्षण और प्रक्रियाओं से गुजरना होगा। उन्होंने कहा कि बहरीन और कुवैत में हुई बैठकों में आजाद का योगदान अत्यंत प्रभावशाली था। वे बिस्तर पर पड़े रहने से निराश हैं। मंगलवार को प्रतिनिधिमंडल के साथ सऊदी की राजधानी रियाद पहुंचे पांडा ने कहा कि सऊदी अरब और अल्जीरिया में उनकी उपस्थिति हमें बहुत याद आएगी। इस यात्रा के दौरान, प्रतिनिधिमंडल विभिन्न राजनीतिक गणमान्य व्यक्तियों, सरकारी अधिकारियों, विचारकों और भारतीय समुदाय के सदस्यों के साथ बातचीत करेगा।

मध्यप्रदेश में 27 पुलिस अधिकारियों को मिली पदोन्नति, 53 का हुआ तबादला

भोपाल। गृह विभाग ने मंगलवार को राज्य पुलिस सेवा के 27 अधिकारियों को पदोन्नत करते हुए उन्हें अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (एएसपी), सहायक पुलिस महानिरीक्षक (एआईजी) और उप सेनानी पद पर पदस्थ किया है। इसके अलावा एक अन्य आदेश में 53 डीएसपी, एसडीओपी और सीएसपी स्तर के अधिकारियों का तबादला भी किया गया है। पदोन्नत अधिकारियों को भोपाल, इंदौर, जबलपुर, उज्जैन और अन्य जिलों में नई जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं। इनमें एसएएफ बटालियनों, पीएचक्यू, विशेष शाखा और नगरीय पुलिस बल में पदस्थापनाएं की गई हैं। उप पुलिस अधीक्षक अजाक जिला रतलाम शेर सिंह भूरिया को पुलिस अधीक्षक अजाक रेंज इंदौर बनाया गया है। गृह विभाग ने एक अन्य आदेश में 53 डीएसपी, एडीओपी, सीएसपी स्तर के अधिकारियों का स्थानांतरण भी किया है। इन तबादलों में भोपाल, इंदौर, जबलपुर, ग्वालियर, रतलाम, देवास, खंडवा, रायसेन, नरसिंहपुर, शिवपुरी आदि जिलों को शामिल किया गया है।

इंदौर में यलो लाइन रूट पर चलेगी मेट्रो, शहरी यात्रा होगी आसान

रास्ते में पड़ने वाले पांच स्टेशनों पर लगाए गए लिफ्ट और एस्केलेटर, पीएम मोदी 31 मई को भोपाल से दिखाएंगे हरी झंडी

इंदौर। देश का सबसे स्वच्छ शहर इंदौर अब मेट्रो युग में प्रवेश करने जा रहा है। इंदौरवासियों ने 40 साल पहले टेंपो का भी दौर देखा है और अब शहर आधुनिक यातायात साधन के रूप में मेट्रो युग की ओर छलांग लगा रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 31 मई को भोपाल में आयोजित महिला सशक्तिकरण महासम्मेलन में इंदौर मेट्रो कॉरिडोर पर यात्री सेवा का वर्चुअली शुभारंभ करेंगे। सुपर कॉरिडोर पर गांधीनगर से टीसीएस चौराहे तक बना यह लगभग सात किलोमीटर का हिस्सा येलो लाइन का कॉरिडोर है। यात्री गांधीनगर स्टेशन, सुपर कॉरिडोर 6 स्टेशन, सुपर कॉरिडोर 5 स्टेशन, सुपर कॉरिडोर 4 स्टेशन और सुपर कॉरिडोर 3 स्टेशन पर रुक सकेंगे। यह कॉरिडोर ट्रैफिक और प्रदूषण कम करेगा। साथ ही यात्रियों को आरामदायक सफर प्रदान करेगा, हालांकि, इस रूट पर अभी बसाहट नहीं है, इसलिए मेट्रो ट्रेन को यात्री ज्यादा नहीं मिलेंगे।



मेट्रो की यलो लाइन पर 28 स्टेशन होंगे

इंदौर में कुल 31.32 किलोमीटर लंबी (22.62 किमी एलेवेटेड एवं 8.7 किमी भूमिगत) इस मेट्रो की यलो लाइन पर 28 स्टेशन होंगे, जो शहरी यात्रा को आसान, तेज और पर्यावरण के अनुकूल बनाएंगे। अभी जिस रुट का उद्घाटन हो रहा है वहां पांच स्टेशन होंगे।मेट्रो के 31.32 किलोमीटर के संपूर्ण प्रोजेक्ट की लागत लगभग 7500 करोड़ रुपए है। प्रारंभिक तौर पर 6 किलोमीटर के कॉरिडोर का उद्घाटन होना है जिसकी लागत लगभग 1520 करोड़ रुपए है। यह परियोजना इंदौर को एक आधुनिक, पर्यावरण-अनुकूल शहर बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

6 किलोमीटर रूट का होगा उद्घाटन

इंदौर में कुल 31.32 किलोमीटर लंबा मेट्रो का रूट है। इस मेट्रो की येलो लाइन पर 28 स्टेशन होंगे, जो शहरी यात्रा को आसान और पर्यावरण के अनुकूल बनाएंगे। मेट्रो के पहले चरण के प्रोजेक्ट की लागत करीब आठ हजार करोड़ रुपये है। प्रारंभिक तौर पर 6 किलोमीटर के कॉरिडोर का उद्घाटन होना है, जिसकी लागत लगभग 1520 करोड़ रुपये है।

कलेक्टर ने लिया तैयारियों का जायजा

कलेक्टर आशीष सिंह ने मंगलवार को गांधी नगर मेट्रो स्टेशन का दौरा कर लोकार्पण कार्यक्रम की तैयारियों का जायजा लिया और व्यवस्थाओं को अंतिम रूप दिया। इंदौर में मेट्रो ट्रेन की शुरुआत इसी स्टेशन से होगी। इस दौरान नगर निगम आयुक्त शिवम वर्मा, अपर आयुक्त अभिलाष मिश्रा और मेट्रो के अधिकारीगण भी उपस्थित थे। पांच स्टेशनों पर लिफ्ट और एस्केलेटर लगाए गए हैं। मेट्रो कोच में सीसीटीवी कैमरे लगे होंगे। एक ट्रेन में 800 यात्री सफर कर सकेंगे।

पं.धीरेंद्र शास्त्री की कथा से लौटते समय परिवार के 7 लोगों ने जहर खाकर दी जान

पंचकूला। हरियाणा के पंचकूला में सोमवार देर रात कर्ज से परेशान परिवार के 7 लोगों ने जहर खाकर सुसाइड कर लिया। सभी बागेश्वर धाम के बाबा धीरेंद्र शास्त्री की कथा में गए थे। वहां से लौटते हुए इन्होंने ये कदम उठाया। गाड़ी से एक सुसाइड नोट भी मिला जिसमें लिखा है- मैं बैंकरप्ट हो चुका हूं। बताया जा रहा है कि परिवार पर करीब 20 करोड़ रुपये का कर्ज था। पंचकूला के सेक्टर-27 में सोमवार रात कर्ज के बोझ तले दबे परिवार के सात लोगों ने जहर खाकर आत्महत्या कर ली। मरने वालों में प्रवीण मित्तल, उनकी पत्नी रीना, मां विमला, पिता देशराज, बेटा हार्दिक, बेटी डेलसी, ध्रुविता शामिल हैं। पुलिस के अनुसार, परिवार देहरादून में रहता था और बच्चे चंडीगढ़ में रहते थे। इस घटना का एक चश्मदीद भी सामने आया है, जिनका दावा है कि प्रवीण मित्तल ने मरने से पहले उनसे बात की थी और मरने की वजह भी बताई थी। खबर है कि मित्तल परिवार 15-20 करोड़ रुपये के कर्ज से दबा हुआ था। एक समाचार एजेंसी से बातचीत में स्थानीय शख्स हरीश राणा ने कहा कि पहले प्रवीण ने उन्हें गुमराह करने की कोशिश की थी। उन्होंने बताया कि रात में करीब 10 बजे मेरा भाई टहलने के लिए गया था। हमारे मालिक ने कहा था कि कोई अनजान गाड़ी हमारी गाड़ियों के पीछे खड़ी है। वो दोनों लोग गाड़ी देखने चले गए। उस समय कार में सिर्फ एक ही शख्स जीवित था। उस शख्स ने कहा कि हम सभी आराम कर रहे हैं...। राणा ने बताया कि हमें शक हुआ और कार के पास दोबारा गए और हमने देखा कि सभी ने कार में उल्टी कर दी है। सभी मर चुके हैं...। जब हमने जीवित शख्स से सवाल किया, तो उसने बताया कि पूरे परिवार ने जहर खाकर आत्महत्या कर ली है...। 5 मिनट के बाद वह भी गिर गया। उसने बताया था कि परिवार पर कर्ज है और कोई उनकी मदद नहीं कर रहा है। उनके रिश्तेदार करोड़पति हैं, लेकिन मदद नहीं कर रहे हैं...। इसलिए परिवार यह कदम उठा रहा है...। मित्तल परिवार के एक रिश्तेदार संदीप अग्रवाल बताते हैं कि परिवार करीब 9 साल पहले पंचकूला छोड़कर चला गया था। उन्होंने बताया कि मित्तल फ्लैट, कार और बद्दी स्थित फैक्ट्री समेत सारी संपत्ति छोड़कर चले गए। उन्होंने जानकारी दी कि परिवार पर 15-20 करोड़ रुपये का कर्ज था और उन्हें धमकियां मिल रही थीं। खबर है कि प्रवीण टैक्सी सर्विस चलाता था। सेक्टर 27 में एक खाली प्लॉट के सामने खड़ी कार में प्रवीण मित्तल (42), उनकी पत्नी, तीन बच्चे (एक बेटा व दो बेटियां) और प्रवीण के बुजुर्ग माता-पिता सोमवार रात सवा 12 बजे संदिग्ध अवस्था में मिले थे।



मोदी बोले- गणेशजी भी विदेश से आते हैं, वो भी छोटी आंख वाले...

गांधीनगर। भारत दुनिया की चौथी बड़ी आर्थिक महाशक्ति बन चुका है। आर्थिक विशेषज्ञों का अनुमान है कि यदि देश ने यही आर्थिक गति बनाए रखी तो जल्द ही यह तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था वाला देश भी बन जाएगा। लेकिन इसके लिए कोशिश केवल देश के बड़े उद्योगपतियों और निर्माताओं की ओर से ही नहीं की जाना चाहिए, बल्कि यह कोशिश सामान्य आदमी की ओर से की जानी चाहिए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुजरात में अपनी दो दिवसीय यात्रा में इसी ओर इशारा किया। गांधी नगर में पीएम मोदी ने कहा कि आम आदमी को यह बात अपने मन में बिठा लेनी चाहिए कि वह अपने देश में बने हुए सामानों का ही उपयोग करेगा। अभी तो गणेशजी भी छोटी आंखों वाले आ रहे हैं। होली पर रंग और पिचकारी भी विदेशों से आ रही है। यह सीधा हमला चीन पर था जहां से दिवाली-होली जैसे भारतीय त्योहारों को निशाना बनाते हुए सस्ते उत्पाद बनाए जाते हैं और भारतीय बाजारों में बेच दिए जाते हैं। लेकिन इससे भारतीय कामगारों का हक मारा जाता है। लेकिन यदि भारत को दुनिया की तीसरी बड़ी आर्थिक महाशक्ति बनना है तो उसे अपने लोगों के बने उत्पादों को बढ़ावा देना होगा।

विदेशी सामान नहीं खरीदने की अपील

प्रधानमंत्री मोदी ने मंगलवार को गुजरात के गांधीनगर में एक जनसभा को संबोधित करते हुए देश की जनता से विदेशी सामान नहीं खरीदने की अपील की और साथ ही आत्मनिर्भरता पर जोर देने की अपील की। पीएम मोदी ने चीन का बिना नाम लिए ही कड़ा संदेश भी दे दिया और साथ ही जनता के समझा भी दिया कि स्वदेशी समान का इस्तेमाल क्यों करें। गुजरात शहरी विकास योजना के 20वीं वर्षगांठ समारोह को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर सैन्य बल की ताकत से शुरू हुआ था। अब यह जनबल से आगे बढ़ेगा। यानी जनबल का मेरा मतलब होता है जन-जन देश के विकास के लिए भागीदार बनें। हम इतना तय कर लें कि 2047 जब भारत की आजादी के 100 साल होंगे। विकसित भारत बनाने के लिए तत्काल भारत की अर्थव्यवस्था को चौथे से तीसरे स्थान पर ले जाने के लिए, अब हम कोई विदेशी चीज का इस्तेमाल नहीं करेंगे।

गांव-गांव में व्यापारियों को शपथ दिलवाएं

पीएम मोदी ने कहा कि हम गांव-गांव में व्यापारियों को शपथ दिलवाएं, व्यापारियों को कितना भी मुनाफा क्यों न हो, आप विदेशी माल नहीं बेचोगे। लेकिन, दुर्भाग्य देखिए, गणेशजी भी विदेश से आ जाते हैं, वो भी छोटी आंख वाले गणेश जी, गणेश जी की आंख भी नहीं खुल रही है। होली के लिए रंग और पिचकारी भी विदेश से आती है। उन्होंने लोगों से अपील करते हुए कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के लिए मुझे एक नागरिक के नाते काम करना है। आप घर में जाकर सूची बनाएं। आपके घर में 24 घंटे में कितनी विदेशी चीजों का इस्तेमाल होता है।

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
लोक पत्रिका
LOK PATRIKA
RNI NO. GUJGUJ/2022/83673

अमेरिकन म्यूजिक अवॉर्ड में शामिल हुईं नोरा फतेही

लास वेगास में अमेरिकन म्यूजिक अवॉर्ड्स के 51वें संस्करण का आयोजन किया गया, जिसमें नोरा फतेही ने अपनी प्रस्तुति से बिखेरा जलवा। अमेरिकन म्यूजिक अवॉर्ड्स 2025 के 51वें संस्करण का आयोजन लास वेगास में हुआ। हालांकि, भारत में इसका प्रसारण मंगलवार की सुबह हुआ। इस समारोह में दुनिया भर के दिग्गज कलाकारों ने शिरकत की। भारतीय अभिनेत्री नोरा फतेही ने भी शानदार प्रस्तुति दी, जिस कारण वहां मौजूद सभी लोगों का ध्यान एक्ट्रेस ने अपनी ओर खींच लिया। बॉलीवुड अभिनेत्री नोरा फतेही अमेरिकन म्यूजकि अवॉर्ड्स में शामिल हुईं, जिसे अमेरिकन सिंगर जेनिफर लोपेज द्वारा आयोजित किया गया है। एक्ट्रेस ब्लैक कलर की वन पीस ड्रेस पहने नजर आ रही हैं, जिस पर शीशे और मोतियों से भी वर्क हुआ है। इसके साथ उन्होंने अपने बालों को खुला रखा है और हल्के मेकअप के साथ शानदार अंदाज में पोज देकर तस्वीरें क्लिक करा रही हैं, जिसका वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।

ऊंचाइयों को छू रहीं नोरा

हाल ही में बॉलीवुड अभिनेत्री नोरा फतेही अपने नवीनतम सिंगल म्यूजिक 'स्नेक' की सफलता के बाद से ऊंचाइयों को छू रही हैं, क्योंकि इसे काफी पंसद किया जा रहा है। इस संगीत में अभिनेत्री के साथ अमेरिकन गायक और डांसर जेसन डेरुलो भी शामिल हैं। दोनों के द्वारा तैयार किया गया यह ट्रैक 'स्नेक' न केवल बीबीसी एशियन म्यूजिक चार्ट में शीर्ष पर रहा, बल्कि 130 मिलियन से अधिक बार देखा गया। इस उपलब्धि ने दुनियाभर में अभिनेत्री के प्रशंसकों और भारतीय संगीत प्रेमियों को खुश कर दिया है।

बजरंगी भाईजान की मुन्नी ढुकरा चुकी हैं सलमान की फिल्म

बॉलीवुड हो या टीवी... हर साल बड़ी संख्या में प्यारे-प्यारे छोटे बच्चे एक्टिंग की दुनिया में कदम रखते हैं। लेकिन कुछ अपनी एक्टिंग से लोगों के दिलों में जगह बनाने में कामयाब रहे हैं। ऐसी ही हैं सलमान खान की 'बजरंगी भाईजान' की पाकिस्तानी मुन्नी. 10 साल बाद एक्ट्रेस काफी ग्लैमरस हो गई हैं। बॉलीवुड में हर साल कई छोटी बच्चियां एक्टिंग की दुनिया में कदम रखती हैं। कुछ पहचान बनाने में कामयाब रहती हैं, तो कुछ के बारे में कोई नहीं जान पाता। ऐसी ही एक बच्ची साल 2015 में लोगों की नजरों में आई। जब सलमान खान की फिल्म 'बजरंगी भाईजान' रिलीज हुई थी। जिसे लोग आज भी मुन्नी कहकर बुलाते हैं। बॉलीवुड में हर साल कई छोटी बच्चियां एक्टिंग की दुनिया में कदम रखती हैं। कुछ पहचान बनाने में कामयाब रहती हैं, तो कुछ के बारे में कोई नहीं जान पाता। ऐसी ही एक बच्ची साल 2015 में लोगों की नजरों में आई। जब सलमान खान की फिल्म 'बजरंगी भाईजान' रिलीज हुई थी जिसे लोग आज भी मुन्नी कहकर बुलाते हैं।



उस वक्त हर्षाली सिर्फ 7 साल की थी

सलमान खान की 900 करोड़ कमाने वाली इस फिल्म में उनका और पाकिस्तान से आई मुन्नी का एक खास रिश्ता दिखा। जिसका घर ढूंढने के लिए वो पड़ोसी मुल्क चले जाते हैं। और क्योंकि मुन्नी कुछ बोल नहीं सकती, तो कहानी में एक इमोशनल एंगल भी दिखा। हालांकि, जब फिल्म आई थी, उस वक्त हर्षाली सिर्फ 7 साल की थी। सलमान खान की 900 करोड़ कमाने वाली इस फिल्म में उनका और पाकिस्तान से आई मुन्नी का एक खास रिश्ता दिखा। जिसका घर ढूंढने के लिए वो पड़ोसी मुल्क चले जाते हैं और क्योंकि मुन्नी कुछ बोल नहीं सकती, तो कहानी में एक इमोशनल एंगल भी दिखा। हालांकि, जब फिल्म आई थी, उस वक्त हर्षाली सिर्फ 7 साल की थी। 10 साल बाद हर्षाली मल्होत्रा बेहद बदल चुकी हैं। 16 साल की एक्ट्रेस इंस्टाग्राम पर एक से बढ़कर ग्लैमरस तस्वीरें शेयर करती हैं। खास बात यह है कि वो सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती है। उनके इंस्टाग्राम पर 3.7 मिलियन फॉलोअर्स हैं।

9 साल में 0 बॉलीवुड हिट, मगर 1 शो के लिए चार्ज 40 करोड़ रुपये

एक्ट्रेस प्रियंका चोपड़ा, जिनकी पिछली बॉलीवुड हिट फिल्म को रिलीज हुए 9 साल हो चुके हैं। फिर भी वह भारत में सबसे ज्यादा सैलरी पाने वाली एक्ट्रेसेज में से एक हैं। बॉक्स ऑफिस इंडिया की रिपोर्ट के अनुसार, प्रियंका चोपड़ा की आखिरी बॉलीवुड हिट 2015 में आई 'बाजीराव मस्तानी' थी, जिसमें वे सेकंड लीड रोल में नजर आई थीं। वे फिर 2016 की 'जय गंगाजल' में दिखीं, जो फ्लॉप रही। हालांकि, इस बीच उनकी हॉलीवुड फिल्म 'बेवॉच' सफल रही थी, मगर 2019 में आई बॉलीवुड फिल्म 'द स्काई इज पिंक' बॉक्स ऑफिस पर औंधे मुंह गिरी। लंबे वक्त से चर्चाएं हैं कि वे फरहान अख्तर की फिल्म 'जी ले जरा' से कमबैक करेंगी, जिसमें आलिया भट्ट और कैटरीना कैफ का भी अहम रोल होगा, लेकिन यह कब तक मुमकिन होगा, साफतौर पर कुछ कहना मुश्किल है। प्रियंका चोपड़ा ने 2000 में मिस वर्ल्ड का खिताब जीतकर फिल्म इंडस्ट्री में कदम रखा। उन्होंने सबसे पहले 2002 में रिलीज हुई तमिल फिल्म 'तमिजान' से डेब्यू किया। इसके बाद 2003 में रिलीज हुई बॉलीवुड फिल्म 'द हीरोः लव स्टोरी 2003 में रिलीज हुई। 'अंदाज' और 2004 में रिलीज हुई 'मुझसे शादी करोगी' में उन्होंने अहम भूमिका निभाई थी। लगातार फिल्मों में काम करने के बाद 'कृष' से वह बहुत मशहूर हुईं। प्रियंका ने राम चरण के साथ 'जंजीर' फिल्म में भी काम किया। इस खूबसूरत एक्ट्रेस की आखिरी हिट फिल्म 'बाजीराव मस्तानी' थी। उनकी आखिरी फिल्म 2019 में रिलीज हुई 'द स्काई इज पिंक' थी।



फिल्म में लेने के लिए प्राची से हुई थी घिनौनी डिमांड

डायरेक्टर रोहित शेट्टी की 'रूमर्ड गर्लफ्रेंड' रहीं एक्ट्रेस प्राची देसाई भी कास्टिंग काउच का दर्द झेल चुकी हैं। हालांकि उन्होंने फिल्म के लिए कॉम्प्रोमाइज करने से इनकार कर दिया था। फिल्म इंडस्ट्री में कास्टिंग काउच बेहद आम है। कई एक्ट्रेसेस ने इस दर्दनाक एक्सपीरियंस पर खुलकर बात की है। मल्लिका शेरावत से लेकर अंकिता लोखंडे तक का नाम शामिल है। इस लिस्ट में फिल्म के जाने-माने डायरेक्टर रोहित शेट्टी की 'रूमर्ड गर्लफ्रेंड' रहीं एक्ट्रेस का नाम भी शामिल हैं। साल 2008 में फिल्म 'रॉक ऑन' से बॉलीवुड डेब्यू करने वाली प्राची देसाई ने एक बार अपने साथ हुए कास्टिंग काउच को लेकर बात की थी और एक डायरेक्टर की घटिया डिमांड का खुलासा किया था। हालांकि प्राची ने ना कहते हुए उस फिल्म को रिजेक्ट कर दिया था। बॉलीवुड बबल को दिए एक पुराने इंटरव्यू में प्राची देसाई ने बताया था कि एक बड़ी फिल्म के लिए उन्हें कॉम्प्रोमाइज करने के लिए कहा गया था। उन्होंने कहा था- 'मुझे लगता है कि एक खास फिल्म, एक बड़ी फिल्म में काम करने के लिए मुझे सीधे-सीधे प्रस्ताव दिए गए थे, लेकिन मैंने साफ मना कर दिया।

रोहित शेट्टी संग जुड़ा एक्ट्रेस का नाम

प्राची देसाई का नाम एक दौर में 15 साल बड़े डायरेक्टर रोहित शेट्टी के साथ लिंक होता रहा है। कई रिपोर्ट्स में दावा किया गया कि 'बोल बच्चन' की शूटिंग के दौरान करीब आए। दोनों के एक साथ रहने की भी खबरें थीं। ये दावा भी किया गया कि इस एक्स्ट्रा मैरिटल अफेयर के चलते रोहित अपनी पत्नी माया शेट्टी को छोड़ रहे थे। बाद में उन्होंने अपनी पत्नी के साथ सुलह कर ली जिसके बाद प्राची के साथ रोहित का रिश्ता खत्म हो गया। हालांकि दोनों ने इन रूमर्स पर कभी रिएक्ट नहीं किया।

फिर साथ आ रहे माधुरी-संजय दत्त !



साल 1993 में आई संजय दत्त-माधुरी दीक्षित की फिल्म 'खलनायक' को कौन भूल सकता है। सुभाष घई की फिल्म बॉक्स ऑफिस पर ब्लॉकबस्टर साबित हुई थी। इस वक्त फिल्म के सीक्वल पर काम चल रहा है, जिस पर एक धांसू अपडेट आ गया है। 32 साल बाद एक बार फिर संजू बाबा-माधुरी दीक्षित उसी अंदाज में देखने को मिलेंगे। इस जोड़ी को साथ देखने का हर कोई इंतजार कर रहा है। गैंगस्टर बल्लू बलराम प्रसाद की एंट्री को लेकर मेकर्स ने यहां एक बड़ा खेल कर दिया है। हाल ही में सुभाष घई ने खलनायक के पार्ट 2 को लेकर अपडेट दिया। वो कहते दिखे कि- फिल्म का काम पूरा हो चुका है। फिल्म के लिए नई कास्ट और टेक्नीशियन जल्द ही फाइनल कर लिए जाएंगे। कुछ वक्त पहले पता लगा था कि मेकर्स इस फिल्म के लिए काफी एक्साइटेड हैं। हालांकि, इस फिल्म के लिए नई कास्टिंग की जाएगी। साथ ही नए एक्टर्स ही लीड रोल में दिखाई देंगे। संजय दत्त और माधुरी दीक्षित का पत्ता नहीं कटेगा। दोनों का खलनायक पार्ट 2 में कैमियो होगा। फिल्म पर तेजी से काम किया जा रहा है। दरअसल साल 2024 में ऐसी खबर आई थी कि बल्लू के लिए नए एक्टर की तलाश की जा रही है। लेकिन सुभाष घई ने इस अफवाह पर विराम लगा दिया था। उनका कहना था कि इस आइकॉनिक रोल को सिर्फ संजय दत्त प्ले करेंगे। वहीं, इस सीक्वल में नए एक्टर्स ही नए किरदारों को निभाते दिखाई देंगे।

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
लोक पत्रिका
LOK PATRIKA
RNI NO. GUJGUJ/2022/83673

ब्रीफ न्यूज़

नर्मदा नदी में मिला अज्ञात युवक का शव, नहाते समय डूबने की आशंका



बड़वाह। सोमवार सुबह नावघाट खेड़ी के तट पर नर्मदा नदी में एक अज्ञात युवक का शव बहता हुआ मिला। स्थानीय नाविकों ने शव को नदी से बाहर निकालकर तट पर लाया और तत्काल पुलिस को सूचना दी। पुलिस मौके पर पहुंची और आवश्यक पंचनामा कार्रवाई की। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार मृतक की उम्र लगभग 40 वर्ष आंकी जा रही है। शव को पोस्टमार्टम के लिए सिविल अस्पताल बड़वाह भेजा गया है। जांच में यह सामने आया है कि शव ओंकारेश्वर की ओर से बहकर आया प्रतीत होता है। युवक के शरीर पर केवल अंतर्वस्त्र पाए गए हैं, जिससे यह संभावना जताई जा रही है कि वह नहाते समय डूब गया होगा। शव पर किसी भी प्रकार की चोट के निशान नहीं मिले हैं। पुलिस अधिकारियों का अनुमान है कि शव लगभग तीन दिन या उससे अधिक पुराना हो सकता है। फिलहाल शव की पहचान के प्रयास जारी हैं और पुलिस द्वारा ओंकारेश्वर थाना सहित आसपास के अन्य थानों से संपर्क स्थापित किया जा रहा है।

डायवर्सन रोड पर ब्लैक स्पॉट बंद करने से नाराज व्यापारियों ने किया चक्काजाम



खरगोन। शहर के प्रमुख डायवर्सन रोड पर जिला प्रशासन द्वारा न्यू राधावल्लभ मार्केट की ओर जाने वाले अस्थायी रास्ते को बंद किए जाने से व्यापारियों में आक्रोश फूट पड़ा। मंगलवार सुबह नाराज व्यापारियों ने दुकानें बंद रखकर प्रदर्शन किया और रोड पर चक्काजाम कर दिया। इस विरोध से आवाजाही पूरी तरह बाधित हो गई और कुछ ही समय में मार्ग पर जाम की स्थिति बन गई। प्रशासन ने ब्लैक स्पॉट के रूप में चिन्हित करीब 30 फीट की क्रॉसिंग को सुरक्षा कारणों से बंद कर दिया है, लेकिन इसका असर बाजार तक पहुंचने वाले ग्राहकों और व्यापारियों पर पड़ा, जिससे वे नाराज हो गए। प्रदर्शन के दौरान आरती टॉकीज के सामने व्यापारी सड़क पर बैठ गए और दूसरी ओर जाने वाले रास्ते पर भी कुछ समय के लिए अवरोध पैदा कर दिया। इस दौरान एक यात्री बस के सामने कुछ प्रदर्शनकारी लेट गए और बस चालक से बहस करने लगे, हालांकि मौके पर मौजूद समझदार लोगों ने स्थिति को संभाला और उन्हें एक ओर के मार्ग पर शांतिपूर्वक प्रदर्शन करने के लिए तैयार किया। एसडीएम बीएस कलेश मौके पर पहुंचे और व्यापारियों से चर्चा कर उन्हें समझाइश दी। करीब एक घंटे चले प्रदर्शन के बाद व्यापारियों ने चक्का जाम समाप्त कर दिया और मार्ग फिर से खुलवाया गया। फिलहाल व्यापारियों की मांग है कि बाजार में आवागमन को सुचारु बनाए रखने के लिए विकल्पिक व्यवस्था जल्द बनाई जाए।

डेडगली अमावसः बच्चों की टोली और लोक परंपराओं से सजी निमाड़ की गलियां



सनावद। निमाड़ अंचल में वर्षा की कामना के साथ ज्येष्ठ अमावस्या को मनाया जाने वाला डेडगली अमावस का त्योहार प्राचीन परंपरा का विशेष अंग है। यह पर्व गांव-गांव में धार्मिक आस्था, लोक संस्कृति और बाल उत्साह का अद्भुत संगम प्रस्तुत करता है। इस परंपरा के तहत गांव के बच्चे अलग-अलग समूह बनाकर एक बच्चे को सिर से पांव तक पलाश के पत्तों से ढंककर उसे डेडरा या मेंढक का प्रतीक मानते हैं। यह टोली घर-घर जाकर पारंपरिक लोकगीतों के साथ दान मांगती है। लोग इन्हें पानी छिड़कते हुए गेहूं आदि अन्न दान में देते हैं, जिससे अच्छी वर्षा की प्रार्थना जुड़ी होती है। चित्रमोड़ गांव की गलियों में सुबह 6 बजे से बच्चों की अनेक टोलियाँ डेडरा बने बच्चों के साथ घूमती नजर आईं। बच्चे इस आयोजन की तैयारी एक दिन पूर्व ही कर चुके थे। डेडरा बने बच्चे लक्ष्य पटेल ने बताया कि यह त्योहार हमारे लिए एक सामूहिक खेल की तरह होता है, जिसे पूरे गांव के साथ आनंद से मनाते हैं। जनपद सदस्य जय करोड़ा ने बताया कि डेडगली अमावस की परंपरा न केवल बच्चों बल्कि पूरे गांव के लिए एक उत्सव है, जो धार्मिक आस्था, लोक परंपरा, और सांस्कृतिक विरासत से जोड़ता है। ग्रामीण इस दिन अच्छी वर्षा की कामना करते हैं और प्रकृति से संतुलन की प्रार्थना करते हैं।

शामगढ़ सिविल अस्पताल में महिला डॉक्टर की जल्द हो नियुक्ति, सौंपा ज्ञापन

कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने रैली निकाली, बीएमओ को ज्ञापन देकर कहा- महिलाओं को नहीं मिल रहा समय पर इलाज

सिटी रिपोर्टर

शामगढ़। मंगलवार दोपहर 1 बजे शामगढ़ सिविल हॉस्पिटल में महिला विशेषज्ञ चिकित्सक और अन्य स्वास्थ्य सुविधाओं की कमी को लेकर कांग्रेस प्रतिनिधिमंडल ने मुख्य चिकित्सा अधिकारी के नाम बीएमओ डॉ. मनीष दानगढ़ को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन सौंपने से पूर्व कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने रैली निकाली, जिसमें 'शामगढ़ मांगे स्वास्थ्य सुविधाएं' जैसे नारे लगाए गए और शिव हनुमान मंदिर स्थित गांधी प्रतिमा पर माल्यार्पण किया गया। इसके पश्चात कांग्रेसजन शासकीय अस्पताल पहुंचे और 10 मिनट का मौन रखकर बीएमओ को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में उल्लेख किया गया कि अस्पताल में महिला विशेषज्ञ डॉक्टर की अनुपलब्धता के कारण क्षेत्र की महिलाओं को समय पर उचित इलाज नहीं मिल पा रहा है, जिससे



उन्हें स्वास्थ्य और गरिमा दोनों स्तरों पर कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। ज्ञापन में यह भी कहा गया कि अस्पताल में डिजिटल एक्स-रे फिल्म सुविधा, प्रतिदिन सोनोग्राफी, शिशु रोग, स्त्री रोग, हड्डी रोग एवं हृदय रोग विशेषज्ञ जैसी महत्वपूर्ण सेवाएं नहीं हैं। इसके कारण आमजन को दूरदराज इलाज के लिए जाना पड़ता है, जिससे उन्हें आर्थिक और मानसिक परेशानी होती है। शामगढ़ में फिजियोथेरेपिस्ट विशेषज्ञ तो नियुक्त हैं, लेकिन संसाधनों की कमी के कारण मरीज लाभ नहीं उठा पा रहे।

इसके अलावा आलमगढ़ स्थित 'संजीवनी क्लिनिक', जिसका उद्घाटन लोकसभा चुनाव से पहले हुआ था, वह आज तक बंद है और अब वह भवन गोदाम बन चुका है, जहां सीमेंट और सरिया रखा जा रहा है तथा आसपास जानवर और वाहन खड़े रहते हैं। ज्ञापन के माध्यम से कांग्रेस ने मांग की कि महिला डॉक्टर सहित सभी आवश्यक विशेषज्ञों की शीघ्र नियुक्ति की जाए और स्वास्थ्य सुविधाएं सुदृढ़ की जाएं। चेतावनी दी गई है कि यदि जल्द समाधान नहीं हुआ तो कांग्रेस अनिश्चितकालीन धरना देगी और जनसमस्याओं के निराकरण के लिए आंदोलन करेगी।

ज्ञापन देने वालों में ये थे मौजूद

इस अवसर पर ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष कमलेश जायसवाल, ब्लॉक कार्यकारी अध्यक्ष प्रमोद फरक्या, शहर कांग्रेस अध्यक्ष पंकज मुजावदिया, युवा ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष पवन पांडे, आईटी सेल उपाध्यक्ष डॉ. शौकत मंसूरी, जिला अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ उपाध्यक्ष दर्शन सिंह अरोड़ा, राष्ट्रीय समन्वयक पिछड़ा प्रकोष्ठ सुल्तान सिंह, महिला ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष सुमित्रा देसाई, शहर महिला कांग्रेस अध्यक्ष शीतल जायसवाल, अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ अध्यक्ष अब्दुल हामिद मंसूरी, सेवादल अध्यक्ष बनवारीलाल वर्मा, जितेंद्र मुजावदिया, शाहरुख पठान, आरिफ बैग, दशरथ राठौर, फिरोज अगवान, गौरा पठान, मनोज देसाई, अजय सिंह पवार किलगरी, जगदीश परमार, मुकेश टांक, जब्बार अब्बासी, फारूक अत्तारी सहित कई कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

सारंगपुर में 15 लाख की चोरी का भंडाफोड़ सगा भाई निकला वारदात का मास्टरमाइंड

पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया, एक दिन की रिमांड पर लिया

सिटी रिपोर्टर

सारंगपुर। डांडियावाड़ी मोहल्ले में 10 मई को इकबाल खां के खाली मकान से लगभग 11 लाख रुपए की ज्वेलरी और 4 लाख रुपए नगदी चोरी होने के मामले में पुलिस ने बड़ी सफलता हासिल की है। मामले का खुलासा करते हुए पुलिस ने बताया कि इस चोरी का मास्टर माइंड खुद इकबाल खां का सगा भाई हाफिज है, जिसने अपने साथी अंसार अहमद के साथ मिलकर चोरी को अंजाम दिया। दोनों आरोपियों को हिरासत में लेकर न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उन्हें एक दिन की पुलिस रिमांड पर लिया गया है। थाना प्रभारी आकांक्षा हाड़ा ने बताया कि डांडियावाड़ी और पठानवाड़ी में हुई चोरी की घटनाओं के संदर्भ में विस्तृत जांच-पड़ताल की गई। जांच टीम ने करीब 150 से अधिक सीसीटीवी फुटेज की बारीकी से छानबीन की और मुखबिर तंत्र से मिली सूचनाओं के आधार पर संदिग्धों की पहचान की। इस कड़ी छानबीन के बाद आदतन अपराधी अंसार अहमद (उम्र 38) निवासी उकावता, जिला शाजापुर और हाफिज (उम्र 48) निवासी चांदवाड़ी सारंगपुर को गिरफ्तार किया गया।



आरोपियों ने चोरी की घटना कबूली

गिरफ्तार आरोपियों से सख्त पूछताछ की गई, जिसमें उन्होंने चोरी का अपराध स्वीकार किया। उन्होंने बताया कि फरियादी इकबाल खां के मुंबई जाने के दौरान हाफिज ने अंसार को बुलाकर मकान के ताले तुड़वाए और लाखों रुपये की ज्वेलरी तथा नगदी चोरी करवाई। पुलिस ने चोरी के सामान के अलावा पठानवाड़ी में हुई चोरी का माल भी बरामद किया है। कुल मिलाकर लगभग 15 लाख रुपए मूल्य का सामान पुलिस ने जब्त किया है।

घटना के दिन फरियादी मुंबई गया था, सगे भाई ने करवाई चोरी

पुलिस ने बताया कि चोरी के दिन इकबाल खां रिश्तेदारों को छोड़ने मुंबई गया था। इसकी जानकारी उसके सगे भाई हाफिज को थी, जिसने अंसार को साथ लेकर चोरी की योजना बनाई। आरोपी अंसार और हाफिज ने मकान के ताले तोड़े और चोरी को अंजाम दिया। इस खुलासे से इलाके में सनसनी फैल गई है।

पुलिस की पूरी टीम ने दी महत्वपूर्ण भूमिका

इस मामले में पुलिस टीम ने दिन-रात मेहनत की। पुलिस उपनिरीक्षक गुंजा, सउनि आनंदीलाल भिलाला, प्र.आ. सतीश परमार, कमल गुर्जर, अरुण शर्मा, आरक्षक श्याम शर्मा, अतुल मौर्य, मिथुन, विशाल, साइबर सेल राजगढ़ प्रभारी उनि. जितेंद्र अजनारे, प्रआर कुलदीप, आर. सुमित, मआर. रश्मि सहित अन्य अधिकारियों ने मिलकर आरोपियों की धरपकड़ और माल की बरामदगी में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। पुलिस ने आरोपियों को एक दिन की पुलिस रिमांड पर लेकर उनसे चोरी के जुर्म में और गहराई से पूछताछ शुरू कर दी है। पुलिस अन्य संभावित सहयोगियों की पहचान करने में भी जुटी है ताकि पूरी साजिश का पदार्फाश किया जा सके।

मां की जान लेने वाले कपूत को आजीवन कारावास

70 साल की लकवाग्रस्त वृद्धा की लकड़ी से पीट-पीटकर कर दी थी हत्या

बड़वाह। रिश्तों को कलंकित कर देने वाला यह मामला इंसानियत को झकझोर देता है। जिस मां ने नौ महीने कोख में रखा, उसी बेटे ने उसे बांस की लकड़ी से पीट-पीटकर मौत के घाट उतार दिया। दिल दहला देने वाली यह घटना ग्राम हिरापुर बावड़ीखेड़ा की है, जहां दिनेश नामक बेटे ने अपनी 70 वर्षीय लकवाग्रस्त मां कमलाबाई की नृशंस हत्या कर दी। अब अदालत ने आरोपी को आजीवन कारावास और 5000 रुपए के जुमार्ने की सजा सुनाकर न्याय की मिसाल कायम की है। विशेष लोक अभियोजक चंपालाल मुजाल्दे ने बताया कि 12 अप्रैल 2023 को फरियादी देवेन्द्र वर्मा ने थाना बड़वाह पर रिपोर्ट दर्ज कराई थी। फरियादी के अनुसार, घटना के दिन दोपहर करीब 1 बजे उसकी पत्नी जब कपड़े सुखाने कमलाबाई के घर पहुंची, तो वहां से चीखने-चिल्लाने की आवाजें आ रही थीं। खिड़की से झांकने पर उसने देखा कि दिनेश अपनी मां को बेरहमी से पीट रहा था। देवेन्द्र वर्मा जब मौके पर पहुंचा तो देखा कि दिनेश लकड़ी लेकर बाहर निकल रहा था और अंदर जाकर देखा तो कमलाबाई खून से लथपथ मृत अवस्था में पड़ी थीं। उनके सिर और चेहरे पर गंभीर चोटें थीं।

घटना की सूचना मिलते ही थाना बड़वाह के उप निरीक्षक रामजीलाल डुडवे मौके पर पहुंचे और मामले की जांच शुरू की। जांच उपरांत आरोपी दिनेश के विरुद्ध भारतीय दंड संहिता की धारा 302 के तहत अभियोग पत्र न्यायालय में प्रस्तुत किया गया। आज 27 मई 2025 को प्रथम अपर जिला एवं सत्र न्यायालय बड़वाह ने आरोपी को दोषी करार देते हुए आजीवन कारावास व 5000 रुपए के अर्थदंड से दंडित किया। इस मामले में अभियोजन पक्ष की ओर से विशेष लोक अभियोजक चंपालाल मुजाल्दे ने सशक्त पैरवी कर न्याय सुनिश्चित किया।

देपालपुर में किसान बोले- प्याज के उचित दाम नहीं मिल रहे, ज्ञापन सौंपा

सिटी रिपोर्टर

देपालपुर। प्याज के घटते दामों को लेकर प्याज उत्पादक किसानों में भारी चिंता व्याप्त है। मंडियों में वर्तमान में प्याज के दाम 50 पैसे से लेकर 4 रुपए प्रति किलो तक गिर चुके हैं, जिससे किसान बेहद कठिनाई में हैं। इस गंभीर स्थिति के बीच संयुक्त किसान मोर्चा के नेतृत्व में सैकड़ों किसानों ने देपालपुर तहसील कार्यालय पर प्रदर्शन कर मुख्यमंत्री के नाम एक ज्ञापन सौंपा। संयुक्त किसान मोर्चा के नेताओं बबलू जाधव, चंदन सिंह बड़वाया, शैलेंद्र पटेल, आशीष पटेल ने बताया कि प्याज की खेती में खाद, दवाई, डीजल, मजदूरी जैसे महंगे खर्चे शामिल हैं, जिससे लागत बहुत बढ़ जाती है। बावजूद इसके किसान अपने उत्पाद का उचित मूल्य न मिलने के कारण कर्ज के बोझ तले दब रहे हैं। ज्ञापन में सरकार से मांग की गई है कि प्याज का न्यूनतम मूल्य 20 रुपए प्रति किलो निर्धारित किया जाए या भावांतर योजना के तहत किसानों का प्याज खरीद कर उन्हें भुगतान किया जाए। किसानों ने चेतावनी दी है कि यदि सरकार



इस ओर ध्यान नहीं देती है तो वे सड़क पर उतरकर उग्र आंदोलन करने को बाध्य होंगे। ज्ञापन सौंपने वाले किसानों में प्रवीण ठाकुर, अर्जुन सांकला, ओमप्रकाश ठाकुर, सचिन सांकला, कृपाराम, नेताजी, बलदेव सरपंच, प्रकाश पटेल, आशीष पटेल, सेलू पटेल, मनोज राठौर, लालचंद सोलंकी, शिवम ठाकुर, अर्जुन परमार, मुकेश बड़वाया, दीपेश बढ़वाया, महेश पंवार, देवकरण सोलंकी, रोहन बड़वाया, कान्हा बॉस, धारा सिंह, सोहन जादव, राजकरण डोड, विष्णु डोड, जितेंद्र बड़वाया, शंकर उमट, विकास डोड आदि प्रमुख रूप से शामिल थे।

ओंकारेश्वर के कोठी-धावड़िया मार्ग की दुर्दशा से ग्रामीण नाराज, आंदोलन की चेतावनी



ओंकारेश्वर। ग्राम पंचायत कोठी से धावड़िया के बीच प्रधानमंत्री सड़क योजना के तहत करोड़ों रुपए की लागत से मनोरमा कंस्ट्रक्शन कंपनी मुरैना द्वारा डामरीकरण कार्य शुरू किया गया था। इस मार्ग का निर्माण पहली बार वर्ष 2017 में किया गया था, लेकिन इसके बाद न तो कोई मरम्मत हुई और न ही रखरखाव पर ध्यान दिया गया। निर्धारित समयानुसार 1 जनवरी 2022 से ग्राम कोठी से हनुमान मंदिर धावड़िया तक 2.4 किलोमीटर लंबे मार्ग का पुनर्निर्माण प्रस्तावित था, लेकिन अब तक यह कार्य अधूरा ही पड़ा है। वर्तमान में यह सड़क बुरी तरह से जर्जर हो चुकी है और आए दिन दुर्घटनाओं का कारण बन रही है। स्थानीय ग्रामीणों द्वारा कई बार शिकायतें की गईं, लेकिन जिम्मेदार लोक निर्माण विभाग ने अब तक कोई संज्ञान नहीं लिया है। ग्रामवासियों धन्नालाल यादव और महेंद्रा अग्रवाल ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द ही मरम्मत का कार्य शुरू नहीं किया गया, तो आंदोलन करेंगे।

नील-रुचि इंस्टीट्यूट महू सिमरोल रोड पर समर कैंप का आयोजन

महू। शहर के समीप स्थित महू सिमरोल रोड पर ग्रामीण क्षेत्र के बच्चों को शिक्षा के साथ-साथ अन्य कलाओं में दक्षता दिलाने के उद्देश्य से नीलिमा तिवारी और रुचि रामरिया ने मिलकर एक सराहनीय पहल की है। इन दोनों महिलाओं ने स्नील-रुचि इंस्टीट्यूट्स के माध्यम से महिला सशक्तिकरण का प्रभावशाली उदाहरण प्रस्तुत किया है। ग्रीष्मकालीन अवकाश के दौरान बच्चों के समय का रचनात्मक उपयोग सुनिश्चित करने के लिए समर कैंप का आयोजन किया गया, जिसमें बच्चों ने कराटे, जुंबा, और अन्य शारीरिक गतिविधियों के माध्यम से नई विधाएं सीखी। यह समर कैंप 18 अप्रैल से शुरू होकर एक माह तक चला। समापन अवसर पर



एक गरिमामय कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें बच्चों को उनके सीखे गए कौशलों के लिए प्रमाण पत्र वितरित किए गए। इस अवसर पर बच्चों के पालकगण भी उपस्थित रहे और उन्होंने इस आयोजन की सराहना की। संचालिका नीलिमा तिवारी ने जानकारी देते हुए बताया कि संस्थान को शुरू हुए अभी केवल एक वर्ष ही हुआ है और बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए इस प्रकार की पहल की गई है।

महेश्वर में आज पहुंचेगी राष्ट्र स्तरीय गौ क्रांति यात्रा

धामनोद रोड से निकलेगी यात्रा, भवानी माता मंदिर मार्ग पर होगा समापन

सिटी रिपोर्टर

महेश्वर। नगरवासियों के लिए बुधवार का दिन विशेष धार्मिक और सांस्कृतिक महत्व लेकर आ रहा है, जब राष्ट्र स्तरीय गौ क्रांति यात्रा का भव्य स्वागत नगर में किया जाएगा। शाम 6 बजे यात्रा का आगमन धामनोद रोड से होगा, जो नगर के प्रमुख मार्गों से गुजरती हुई भवानी माता मंदिर के पीछे मुख्य मार्ग पर संपन्न होगी। इस संबंध में ग्राम चोली गौशाला के संचालक किशोर सिंह ठाकुर (टकन बाबा) ने बताया कि यह यात्रा पथमेड़ा राजस्थान गौशाला के परम पूज्य संत के कृपा पात्र शिष्य, गौ क्रांतिकारी संत गोपाल स्वामी गोशरणानंद सरस्वती महाराज के सान्निध्य में संपन्न हो रही है। यात्रा के दौरान जय स्तंभ चौराहा, मुख्य बाजार चौक, गोपाल मंदिर मार्ग और नर्मदा रिट्रीट मार्ग होते हुए यह सहस्त्रधारा मार्ग से गुजरकर अपने अंतिम पड़ाव पर पहुंचेगी। कार्यक्रम के दौरान पूज्य संत श्री का प्रवचन भी आयोजित किया जाएगा, जिसमें वे गौ माता के संरक्षण, संवर्धन, गौशालाओं की आत्मनिर्भरता, और गौ आधारित कृषि जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर मार्गदर्शन देंगे। इससे पूर्व संत श्री ने नगर की मां रेवा गौशाला में भी अपने विचार रखते हुए गौ सेवा को मनोकामनाओं की पूर्ति का माध्यम बताया था।

आयोजन की व्यवस्थाओं में जुटे कार्यकर्ता

इस यात्रा को लेकर नगर के समाजसेवी राजा दादू महादेव पाटीदार, दिनेश खटोड़, दिलीप पाटीदार, विशाल गीते, दुर्गेश भालेकर और राम सेन सहित अन्य गणमान्यजनों से भी चर्चा की गई थी। विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल के कार्यकर्ता भी इस आयोजन की व्यवस्थाओं में जुटे हैं। किशोर सिंह ठाकुर, सुभाष नायक, संजू वर्मा, नानूराम सेन और अनिल बाबा शर्मा ने मंगलवार दोपहर कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण किया और आमजन से अधिकाधिक संख्या में उपस्थित होकर पुण्य लाभ लेने की अपील की है। गौ क्रांति यात्रा का रात्रि विश्राम बुधवार रात्रि महेश्वर में होगा, जिसके बाद गुरुवार को यह यात्रा अगले पड़ाव की ओर प्रस्थान करेगी।

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
लोक पत्रिका
LOK PATRIKA

RNI NO. GUJGUJ/2022/83673

ब्रीफ न्यूज़

रेलकर्मी ने बचाई यात्री की जान, इमरजेंसी ब्रेक लगाकर रोकी ट्रेन

भोपाल। राजधानी भोपाल के रानी कमलापति रेलवे स्टेशन में एक सतर्क रेलकर्मी की तत्परता से एक यात्री की जान बचाई गई। दरसल स्टेशन में चलती ट्रेन में चढ़ते यात्री का संतुलन बिगड़ गया और वह गिर गए जिसके बाद ट्रेन मैनेजर ने तत्परता दिखाते हुए इमरजेंसी ब्रेक लगाकर ट्रेन को रोका दिया, जिससे यात्री एक गंभीर दुर्घटना का शिकार होने से बाल-बाल बच गए। भोपाल मंडल में यात्रियों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जा रही है। वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक सौरभ कटारिया ने बताया कि 26 मई की रात लगभग 22:40 बजे जब गाड़ी संख्या 12155 भोपाल एक्सप्रेस रानी कमलापति स्टेशन के प्लेटफॉर्म संख्या 1 से रवाना हो रही थी, तभी एक यात्री- कपिल लीलानी, निवासी विदिशा (उम्र 45 वर्ष) चलती ट्रेन के पीछे दौड़ते हुए उसे पकड़ने का प्रयास कर रहे थे। ट्रेन के अंतिम छोर पर पहुंचते ही जैसे ही उन्होंने डिब्बे के हैंडल को पकड़ने का प्रयास किया, उनका संतुलन बिगड़ गया और वे नीचे गिर पड़े। कटारिया ने बताया कि घटना के समय ड्यूटी पर तैनात ट्रेन मैनेजर वैभव भारतीय ने अत्यंत सतर्कता का परिचय देते हुए तुरंत प्रतिक्रिया दी और बिना समय गंवाए इमरजेंसी ब्रेक लगाकर ट्रेन को रोका, जिससे यात्री एक गंभीर दुर्घटना का शिकार होने से बाल-बाल बच गए। इसके बाद उन्होंने यात्री को ब्रेक वैन में लाकर न केवल उनकी स्थिति की जानकारी ली, बल्कि प्राथमिक स्वास्थ्य जांच भी सुनिश्चित की।

मेट्रो स्टेशन निर्माण के चलते आज से यातायात होगा परिवर्तित

भोपाल। भोपाल मेट्रो रेल परियोजना के तहत पुल बोगदा के पास नया मेट्रो स्टेशन बन रहा है। इस काम के दौरान लोगों की सुरक्षा के लिए इलाके के यातायात का रास्ता बदल दिया गया है। यह बदलाव 28 मई से शुरू होकर 27 जून 2025 तक लगभग एक महीने तक रहेगा। इस दौरान भारी और मध्यम वाहनों के लिए प्रभात चौराहा से पुल बोगदा होकर भारत टॉकीज और प्रभात चौराहा से पुल बोगदा होकर जिंसी, धर्मकांटा और मैदामिल जाने वाला रास्ता पूरी तरह बंद रहेगा। हल्के और दोपहिया वाहनों के लिए पुल बोगदा से शिव मंदिर रोड जिंसी के सामने तक का एक तरफ का रास्ता बंद किया जाएगा। डायवर्सन के समय प्रभात चौराहा से पुल बोगदा होकर भारत टॉकीज या रेलवे स्टेशन और प्लेटफार्म नंबर 6 की तरफ जाने वाले वाहन प्रभात चौराहा से परिहार चौराहा, अशोका गार्डन, अस्सी फीट रोड, स्टेशन बजरिया तिराहा, भारत टॉकीज ओवरब्रिज, संगम टॉकीज तिराहा होकर जा सकते हैं।

मुख्यमंत्री ने की शीतलदास बगिया की सफाई, सफाईकर्मियों का किया सम्मान

सिटी रिपोर्टर



भोपाल। मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मंगलवार को भोपाल में शीतलदास की बगिया की सफाई की। इस मौके पर उन्होंने सफाई कार्य में सहयोग करने वाले सफाई मित्रों का सम्मान भी किया। दरअसल, प्रदेश में जल गंगा संवर्धन अभियान जोरों पर है। इसके तहत सरकार जल के संरक्षण और पुराने स्त्रोतों के नवीनीकरण से जुड़े काम बड़े स्तर पर कर रही है। सीएम डॉ. यादव ने भोपाल में पुरानी बावड़ी के जीर्णोद्धार कार्य का निरीक्षण किया और उससे संबंधित जरूरी दिशा-निर्देश जारी किए। इस अभियान को लेकर सीएम डॉ. यादव ने कहा कि लोकमाता देवी अहिल्याबाई होल्कर द्वारा देश भर में मंदिरों एवं घाटों का निर्माण करवाया गया। लोकमाता अहिल्याबाई जी के 300वीं जयंती वर्ष में उनके संकल्पों को आत्मसात कर हमारी सरकार भी जलस्त्रोतों को संरक्षित करने के लिए समर्पित है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि प्रदेश में जल स्त्रोतों के संरक्षण के लिए जल गंगा संवर्धन अभियान संचालित किया जा रहा है। भोपाल नगर निगम द्वारा 22 बावड़ियों को संरक्षित करने का प्रयास किया गया। आज भोपाल में पुरानी बावड़ी के जीर्णोद्धार कार्य का निरीक्षण किया है। संरक्षण की इस पहल से न केवल जल स्त्रोत संवरेंगे, बल्कि हमारी धरोहर भी संरक्षित होगी। प्रदेश सरकार जल स्त्रोतों के संरक्षण और संवर्धन के लिए सतत प्रयासरत है। इसी कड़ी में जल गंगा संवर्धन अभियान प्रदेश में एक व्यापक जनआंदोलन के रूप में संचालित किया जा रहा है। जल गंगा संवर्धन अभियान केवल जल बचाने की पहल नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों को सुरक्षित और समृद्ध भविष्य देने का संकल्प है।

सेवाभाव को नमन

गौरतलब है कि सीएम डॉ. मोहन यादव ने शीतलदास की बगिया में हुए श्रमदान की कई तस्वीरें सोशल मीडिया पर भी शेयर कीं। उन्होंने इन्हें लेकर लिखा, 'जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत घाटों के पुनरुत्थान, रखरखाव, साफ-सफाई एवं संरक्षण की दिशा में आगे बढ़ते हुए आज भोपाल में शीतलदास की बगिया घाट पर स्वच्छता हेतु श्रमदान में सहभागिता की। साथ ही सफाई मित्रों को सम्मानित कर उनके सेवा भाव को नमन किया। हमारी सरकार जल गंगा संवर्धन अभियान को जनांदोलन बनाकर जल स्त्रोतों के संरक्षण, स्वच्छता और उनके पुनर्जीवन के लिए संकल्पित है।'

भोपाल में कोरोना की आहट, एम्स में तैयारी तेज, 20 बेड का वार्ड तैयार

सर्दी-जुकाम या वायरल से पीड़ित होते हैं तो तत्काल डॉक्टर को दिखाएं

सिटी रिपोर्टर



भोपाल। देश में कोरोना के दो नए वैरिएंट के मामले एक बार फिर से रफ्तार पकड़ने लगे हैं। मध्यप्रदेश में अब तक इंदौर में 6 मामले ही सामने आए हैं। स्वास्थ्य विभाग ने स्वास्थ्य संस्थाओं को सारी तैयारियां करने के निर्देश भी दिए हैं। एम्स भोपाल ने भी कोरोना मरीजों के उपचार के लिए तैयारियां तेज कर दी है। जानकारी के मुताबिक एम्स में 20 बेड का जनरल वार्ड तैयार कर लिया गया है। वहीं वेंटीलेटर से युक्त एक आईसीयू भी कोविड मरीजों के लिए तैयार किया गया है। टास्क फोर्स का भी गठन किया गया है। जबकि जिला अस्पताल जेपी और हमीदिया में किसी तरह की तैयारी नहीं दिख रही है। कोरोन के नए वैरिएंट ओमिक्रॉन वैरिएंट (जेएन. 1) के दो सब-वैरिएंट (एनबी. 1.8.1 और आईएफ 7) एक्टिव हैं। एमपी में अभी तक इंदौर में 6 मरीज मिले हैं। जिसमें से एक वृद्धा की मौत हो चुकी है। डॉक्टरों का कहना है कि कोरोना नियंत्रण में है, लेकिन लोगों को जागरूक होना जरूरी है। जो लोग विदेश से यात्रा कर लौटे हैं, उन्हें एहतियातन जांच कराना चाहिए। यदि सर्दी-जुकाम या वायरल से पीड़ित होते हैं तो डॉक्टर को जरूर दिखाएं और ट्रैवल हिस्ट्री भी न छिपाएं। हमीदिया अस्पताल में कोरोना के वैरिएंट की जांच करने वाली जीनोम सिक्वेसिंग मशीन धूल खा रही है। गौरतलब है कि चार साल पहले कोरोना लहर के दौरान तत्कालीन स्वास्थ्य मंत्री विश्वास सारंग ने जीएमसी में पांच करोड़ रुपए की लागत से जीनोम सिक्वेंसिंग मशीन स्थापित की थी। लेकिन तब से अब तक इस मशीन से एक भी टेस्ट नहीं हो सका। यही नहीं जीएमसी की वायरोलॉजी लैब की हालत भी खराब है। यहां कोरोना टेस्ट के लिए रिएजेंट तक नहीं है। एम्स भोपाल के निदेशक डॉ. अजय सिंह ने कहा कि नए वैरिएंट को लेकर घबराने की जरूरत नहीं है। एम्स पूरी तरह तैयार है। समय पर जांच, बेहतर इलाज और सही जानकारी देने के लिए हम प्रतिबद्ध हैं। हमारा लक्ष्य है कि हर नागरिक को सही जानकारी मिले और डर की जगह सतर्कता बरती जाए। संस्थान ने तेज जांच और इलाज के लिए जरूरी स्वास्थ्य ढांचा मजबूत किया है।

मिसरोद में दिल दहला देने वाली घटना

लिफ्ट में फंसा बच्चा, पिता की हार्ट अटैक से मौत

सिटी रिपोर्टर

भोपाल। भोपाल के जाटखेड़ी इलाके की एक कॉलोनी में बिजली गुल होने से 8 साल का बच्चा लिफ्ट में फंस गया। जब बच्चे के पिता को यह पता चला, तो वे जनरेटर चलाने के लिए गार्ड रूम की तरफ भागे। तभी उनके सीने में तेज दर्द हुआ और वे बेहोश होकर गिर पड़े। करीब तीन मिनट बाद बच्चा लिफ्ट से बाहर आ गया, लेकिन पिता को अस्पताल ले जाना पड़ा। डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। शुरूआत में माना जा रहा है कि उनकी मौत हार्ट अटैक की वजह से हुई है। परिजनों ने अस्पताल में बताया कि जनरेटर चालू करते समय उन्हें करंट लग गया, जिससे उनकी मौत हुई। पुलिस इस मामले की दोनों बातों की जांच कर रही है। मिसरोद पुलिस ने बताया कि 51 साल के रिषीराज भटनागर जाटखेड़ी की निरूपम रॉयल फार्म विला कॉलोनी के टॉवर नंबर 1 के फ्लैट नंबर 307 में रहते थे। वे इंश्योरेंस और प्रॉपर्टी का काम करते थे। उनका परिवार पत्नी और दो बेटे हर्षित व देवांस (8) से बना है। सोमवार रात करीब साढ़े दस बजे देवांस लिफ्ट से अपने फ्लैट में जा रहा था। तभी बिजली चली गई और लिफ्ट बंद हो गई। देवांस उसमें फंस गया। यह सुनते ही रिषीराज घबरा गए और गार्ड रूम की तरफ भागे। उन्होंने जोर जोर से गार्ड को कहा, रजनरेटर चालू करो, देवांस लिफ्ट में फंस गया है। इसी बीच उनकी तबीयत खराब हो गई और वे जमीन पर गिर पड़े। देवांस करीब तीन मिनट बाद लिफ्ट चालू होने पर बाहर आ गया। लेकिन रिषीराज बेहोश थे। परिजन और पड़ोसी उन्हें तुरंत अस्पताल ले गए, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। जानकारी के मुताबिक, रिषिराज जनरेटर चालू करने के लिए जा रहे थे और वहीं पास में बेहोश हो गए। परिजन और पड़ोसियों ने अस्पताल में बताया कि जनरेटर चालू करते वक्त उन्हें करंट लग गया था।

एम्स प्रदेश का पहला सरकारी अस्पताल, ब्रेन डेड मरीज के अंगदान से 3 लोगों को मिला नया जीवन

भोपाल। राजधानी भोपाल स्तिथ एम्स लगातार स्वास्थ्य सेवाओं में विस्तार कर रहा है। इस कड़ी में एम्स ने बुधवार को अपना पहला 'कैडेवर ऑर्गन डोनेशन' सफलतापूर्वक किया। एम्स भोपाल प्रदेश का ऐसा पहला सरकारी अस्पताल बन गया है, जहां किसी ब्रेन डेड मरीज के अंग प्रत्यारोपण (ऑर्गन हार्वेस्ट) के लिए निकाले गए। ओबेदुल्लागंज के 60 वर्षीय शंकर लाल कुबरे ने मौत के बाद तीन लोगों की जिंदगी दी है।

सड़क दुर्घटना में गंभीर घायल हो गए थे शंकर लाल

डोनर, ओबेदुल्लागंज निवासी 60 वर्षीय पुरुष, एक सड़क दुर्घटना में गंभीर रूप से सिर में घायल हो गए थे। गहन उपचार के बावजूद, उन्हें ब्रेन डेड घोषित कर दिया गया। इसके पश्चात, उनके परिवार पत्नी, दो पुत्र एवं एक पुत्री ने अपार मानवता और साहस का परिचय देते हुए उनके अंग दान करने का निर्णय लिया, जिससे कई जरूरतमंद मरीजों के जीवन में आशा की नई किरण जागी।

ऐसे चली पूरी प्रक्रिया

27 मई को राष्ट्रीय प्रोटोकॉल के अनुसार ब्रेन डेड सर्टिफिकेशन की प्रक्रिया पूरी की गई, जिसका संचालन ब्रेन डेड कमेटी के सदस्य डॉ अमित अग्रवाल, डॉ मयंक दीक्षित, डॉ सुमित राज एवं डॉ ज्योत्सना कुब्रे द्वारा किया



गया। इस प्रक्रिया के अंतर्गत हृदय एवं दोनों गुर्दे सफलतापूर्वक निकाले गए। इनमें से हृदय तथा एक गुर्दे का प्रत्यारोपण एम्स भोपाल में ही किया गया, जबकि दूसरे गुर्दे को रडळळड के माध्यम से बंसल अस्पताल, भोपाल को आवंटित किया गया।

लम्बे समय से कर रहे थे प्रयास

जानकारी के लिए बतादें कि एम्स भोपाल में पिछले एक साल से 'कैडेवर डोनेशन' (ब्रेन डेड व्यक्ति के अंगदान) के प्रयास चल रहे थे। इसके लिए एक टीम भी बनाई गई है, जो ब्रेन डेड हुए हर मरीज के परिजनों को अंगदान के लिए प्रेरित करती है। अब तक 31 ऐसे प्रयास असफल रहे थे, लेकिन शंकर लाल कुबरे का परिवार 32वां प्रयास था, जो सफल रहा।

परिवार के लिए गर्व की बात

शंकर लाल कुबरे की पत्नी ने भावुक होकर कहा कि यदि मेरे पति जाते-जाते किसी की जिंदगी बचा रहे हैं, तो यह हमारे लिए गर्व की बात है। अंगदान की बात सुनते ही आक्रोशित हो जाते हैं, लेकिन शंकर कुबरे के दोनों बेटों, बेटी और उनकी पत्नी ने इंसानियत को सबसे ऊपर रखा।

राजधानी में लव-जिहाद की शिकार महिला आई सामने, बोली-

बच्चे को मारने की धमकी दी, धर्म बदलने का बनाया दबाव, अमित बनकर मिला था नदीम

भोपाल ▪ एजेंसी

राजधानी भोपाल में लव जिहाद के मामले लगातार सामने आ रहे हैं। जहां पहले निजी कॉलेज में लव-जिहाद की शिकार कई लड़कियां सामने आईं और कई लोगों की गिरफ्तारी हुई है। उसके बाद अब भोपाल के कमला नगर थाने क्षेत्र में एक 35 साल की तलाकशुदा महिला लव जिहाद का शिकार हुई है। युवक द्वारा धर्म परिवर्तन का दबाव बनाने के बाद महिला सामने आई है और थाने में शिकायत दर्ज कराई। इसके बाद महिला ने बात करते हुए अपनी पीड़ा बताई है। महिला ने बताया है कि उसके साथ नदीम नाम का एक व्यक्ति अमित बनकर मिला था और एक डेढ़ साल बाद उन्हें पता चला कि वह मुस्लिम समाज से है। उसके बाद उन्होंने इसका विरोध किया, लेकिन वह चालाकी से इन्हें गुमराह कर देता था। जब इन्होंने शादी के लिए दबाव बनाया तो वह इन्हें धर्म बदलने और मंदिर नहीं जाने का दबाव बनाने लगा।

शादी करना है तो धर्म बदलना होगा



पीड़िता ने बताया कि 12 साल पहले पति से तलाक के बाद मैं अपने बेटे के साथ रहती हूं। तीन साल पहले बरखेड़ा पठानी का रहने वाला नदीम मेरे संपर्क में आया। मेरी परेशानी के समय उसने मुझे सहारा दिया। अपनी पहचान छिपाते हुए नाम अमित बताया। वह कहता था तुम अकेली महिला हो। किसी बात की चिंता मत करना। मैं हमेशा तुम्हारा साथ दूंगा। इस तरह उसने मेरा भरोसा जीता। 18 जून 2022 को नदीम मुझे अपने घर ले गया और जबरदस्ती की। विरोध करने पर उसने मेरे साथ शादी करने का भरोसा दिलाया। इस तरह वह शादी का झांसा देकर गलत काम करता रहा।

फोटो वायरल करने की देता है धमकी : महिला ने बताया कि 13 मई को नदीम घर आया और संबंध बनाने का दबाव बनाने लगा। इंकार करने पर जबरदस्ती की और आपत्तिजनक वीडियो और फोटो ले लिए। शादी की बात पर कहा- तुम हिंदू हो और मैं मुसलमान। इसलिए शादी नहीं कर सकता। इस्लाम धर्म अपना लो तो निकाह कर लूंगा। मना करने पर उसने धमकी दी कि तुम्हारे वीडियो-फोटो वायरल कर मुंह दिखाने लायक नहीं छोड़ूंगा। बेटे को भी जान से मारने की धमकी दी।

3 साल से करता रहा यौन शोषण : महिला ने बताया कि नदीम ने मदद के नाम पर भरोसा जीता। वह पिछले तीन साल से उनका शोषण कर रहा था। जब उन्होंने शादी की बात कही तो धर्म परिवर्तन का दबाव बनाने लगा। महिला के आपत्तिजनक वीडियो वायरल कर बदनाम करने की धमकी दी।

संस्कृति बचाओ मंच आया सामने

मामला खुलने के बाद हिंदू संगठन भी सामने आया संस्कृति बचाओ मंच के अध्यक्ष चंद्रशेखर तिवारी ने बताया कि कल जब हमें मामला पता चला तो थाने पहुंच कर महिला की शिकायत दर्ज कराई है। कमला नगर पुलिस ने नदीम खान के खिलाफ दुष्कर्म, धार्मिक स्वतंत्रता अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर लिया है। वहीं कमलानगर थाना प्रभारी निरूपा पांडे ने बताया कि आरोपी नदीम बोरिंग मशीन का संचालन करता है। उसकी तलाश के साथ ही उसका बैकग्राउंड भी खंगाला जा रहा है।

7 डीएसपी, सहायक सेनानी बने एएसपी, 53 के हुए ट्रांसफर

भोपाल ▪

गृह विभाग ने मंगलवार को राज्य पुलिस सेवा के 27 अधिकारियों को प्रमोट कर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, सहायक पुलिस महानिरीक्षक और उप सेनानी के पद पर पदस्थ किया है। इस तबादला आदेश में एडिशनल एसपी आगर मालवा, जबलपुर के अलावा भोपाल और जबलपुर पुलिस आयुक्त के कार्यक्षेत्र में पदस्थापना की गई है। पदोन्नति पाने वालों में भोपाल में पदस्थ नीरज कुमार राठौर, रणजीत सिंह राठौर, स्वाति मुराब, दीपक नायक शामिल हैं। उधर मंगलवार को एक अन्य आदेश जारी कर 53 डीएसपी, एसडीओपी, सीएसपी के तबादले किए गए हैं।

ये बने हैं एडिशनल एसपी

गृह विभाग द्वारा जारी आदेश के अनुसार राज्य पुलिस सेवा के जिन अधिकारियों को अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक पद पर प्रमोट किया गया है उनके नाम इस प्रकार हैं। इस सूची में इंदौर नगरीय पुलिस के डीएसपी और सहायक सेनानी स्तर के अधिकारी शामिल हैं।

इनको मिला प्रमोशन और पदस्थापना : संजय कौल सहायक सेनानी 13वीं बटालियन एसएएफ ग्वालियर से उप सेनानी 14वीं बटालियन एसएएफ ग्वालियर, नीरज कुमार ठाकुर सहायक सेनानी 23वीं बटालियन एसएएफ भोपाल से उप सेनानी 25वीं बटालियन एसएएफ भोपाल, कमला



रावत सहायक सेनानी 14वीं बटालियन ग्वालियर से अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक बैंड 7वीं वाहिनी एसएएफ भोपाल, रणजीत सिंह राठौर सहायक सेनानी 25वीं बटालियन एसएएफ भोपाल से सहायक पुलिस महानिरीक्षक पीएचक्यू भोपाल, सुभाष शर्मा सहायक सेनानी प्रथम बटालियन एसएएफ इंदौर से उप सेनानी 32वीं वाहिनी एसएएफ उज्जैन, वेदांत प्रकाश शर्मा सहायक सेनानी आरएपीटीसी इंदौर से उप सेनानी आरएपीटीसी इंदौर, रवि प्रकाश द्विवेदी उप पुलिस अधीक्षक विशेष शाखा पीएचक्यू से सहायक पुलिस महानिरीक्षक विशेष शाखा पीएचक्यू भोपाल, सूरजमल राजौरिया सहायक सेनानी 7वीं वाहिनी एसएएफ भोपाल से उप सेनानी 10वीं बटालियन एसएएफ भोपाल, अरविंद सिंह सूर्या सहायक सेनानी उच्च न्यायालय सुरक्षा जबलपुर से उप सेनानी प्रथम वाहिनी एसएएफ इंदौर, विपिन शिल्पी सहायक सेनानी प्रथम वाहिनी इंदौर से सहायक पुलिस महानिरीक्षक पीएचक्यू, लामू सिंह श्याम सहायक सेनानी 6वीं बटालियन एसएएफ जबलपुर से उप सेनानी 6वीं बटालियन एसएएफ जबलपुर पदस्थापना की गई।

ये अफसर भी हुए प्रमोट

रविंद्र कुमार बोयट एसडीओपी मूंदी नर्मदानगर खंडवा से एडिशनल एसपी आगर मालवा, सुरेश कुमार दामले एसडीओपी बरेली रायसेन से एडिशनल एसपी रेल भोपाल, अलरिज बिसेंट डीएसपी आर्थिक अपराध प्रकोष्ठ से सहायक पुलिस महानिरीक्षक पीएचक्यू भोपाल, शेर सिंह भूरिया डीएसपी आजाक रतलाम से एसपी अजाक इंदौर, स्वाति मुराब वाडेकर सहायक पुलिस आयुक्त मुख्यालय और प्रशिक्षण नगरीय पुलिस भोपाल से सहायक पुलिस महानिरीक्षक पीएचक्यू भोपाल, नरेश बाबू अन्नोटिया सहायक पुलिस आयुक्त यातायात जोन 1 नगरीय पुलिस इंदौर से अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक यातायात जोन 3 इंदौर नगरीय पुलिस, गीता डोंगरे चौहान डीएसपी पीटीएस इंदौर से एडिशनल एसपी पीटीसी इंदौर, नदीम उल्लाह खान डीएसपी विशेष शाखा पुलिस मुख्यालय से उप सेनानी सुरक्षा वाहिनी विशेष शाखा पुलिस मुख्यालय भोपाल, अजय प्रिय आनंद सहायक सेनानी 23वीं बटालियन एसएएफ भोपाल से उप सेनानी हॉक फोर्स बालाघाट, निहित उपाध्याय सहायक पुलिस आयुक्त हबीबगंज भोपाल नगरीय पुलिस से उप सेनानी 8वीं बटालियन एसएएफ छिंदवाड़ा, दीपक नायक सहायक पुलिस आयुक्त गोविन्दपुरा भोपाल नगरीय पुलिस से एडिशनल एसपी सुरक्षा भोपाल नगरीय पुलिस, दीशेष अग्रवाल नगर पुलिस अधीक्षक देवास से एडिशनल एसपी इंटेलिजेंस इंदौर नगरीय पुलिस, अमित कुमार मिश्रा डीएसपी पीएचक्यू से अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त कम स्टाफ आफिसर पुलिस आयुक्त कार्यालय भोपाल नगरीय पुलिस, सुजीत सिंह भदौरिया एसडीओपी पोहरी जिला शिवपुरी से एडिशनल एसपी दमोह, ज्योति उमठे सीएसपी गुना से सहायक पुलिस महानिरीक्षक आईजी कार्यालय रेंज ग्वालियर और भावना मरावी एसडीओपी गोटेगांव नरसिंहपुर से एडिशनल एसपी जबलपुर को भी प्रमोट किया गया है।

Printer, Publisher & Owner : Avesh K. Malaviya, **Printed at** Bhoomi Offset, Bhatiyavadi, Opp. Railway Station, Kalupur, Ahmedabad 380002 and **Published From** G-1301, Sardar Patel Nagar, Shastrinagar Char Rasta, Near Anmol Tower, Naranpura, Ahmedabad-380013. **Mob.** 98252 52125 **Email :** lokpatrikadaily@gmail.com **Website :** www.lokpatrika.in **Editor :** Avesh K. Malaviya